शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 130 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 05 जून 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

लोकसभा चुनावः एनडीए ने लगाई जीत की हैट्रिक

बहुमत से पिछड़ी भाजपा, नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के सहारे चलेगी एनडीए की सरकार, विपक्ष ने मजबूती से लड़ा चुनाव, नीतीश को दिया उपप्रधानमंत्री पद का ऑफर

सत्तारूढ़ भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी, एनडीए को पूर्ण बहुमत, इंडी गठबंधन 234 सीटों पर मजबूत

नई दिल्ली

अठारहवीं लोकसभा की तस्वीर कमोबेश पूरी तरह साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक बार फिर सरकार बनाने जा रही है। सुबह 8 बजे से शुरू हुई मतगणना के बाद रात 11 बजे तक जो परिणाम सामने आए हैं उसमें भारतीय जनता पार्टी 233 सीट पर जीत हासिल कर चुकी है और 7 पर आगे चल रही है। माना जा रहा है कि इसमें अब परिवर्तन होने की अधिक संभावना नहीं है। कुल मिलाकर भाजपा 240 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में वापसी कर रही है। पर बहुमत से 32 सीट पीछे है। वहीं दूसरी बड़ी पार्टी कांग्रेस ने अपने पिछले प्रदर्शन से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 90 सीटों पर जीत हासिल कर चुकी है और 9 सीटों पर आगे है। कुल मिलाकर 99 सीटें कांग्रेस के खाते में जा रही हैं। सबसे बड़ा उलटफेर समाजवादी पार्टी ने किया है। उत्तर प्रदेश की यह पार्टी अब लोकसभा में तीसरी बड़ी ताकत होगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने 36 सीटें जीत ली हैं और वह एक सीट पर आगे है। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का जादू बरकरार रहा। पिछली बार खेला होबे का नारा लगाने वाली तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा का खेला खराब कर दिया। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल की 42 में से 29 सीटें जीत ली हैं। यहां भाजपा की झोली में 11 सीटें गिरी हैं, जबकि 1 सीट पर वह आगे है जिसका परिणाम घोषित होना बाकी है।

इनके अलावा द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) 16, जनता दल (यूनाइटेड) 12 और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) 12 ही ऐसे दल हैं जो दहाई की संख्या में जीत सके हैं। डीएमके 6 और टीडीपी 4 सीटों पर आगे चल रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा है। यहां वह पिछली 63 सीटों में से 30 घटकर 33 पर सिमट गई है।

लोकसभा चुनावों में हमारी जीत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत हैः नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद पार्टी मुख्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जीत के लिए देशवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा प्रधानमंत्री ने कहा कि

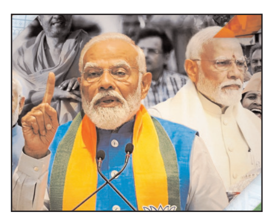

आज बड़ा मंगल है। इस पावन दिन एनडीए की लगातार तीसरी बार सरकार बननी तय है। हम सभी जनता जनार्दन के बहुत आभारी हैं। देशवासियों ने भाजपा पर एनडीए पर पूर्ण विश्वास जताया है। आज की ये विजय दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत है। ये भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है। ये विकसित भारत के प्रण की जीत है। ये सबका साथ सबका विकास के मंत्र की जीत है। ये 140 करोड़ देशवासियों की जीत है। मोदी ने कहा कि इस जनादेश के कई पहलू हैं।

भाजपा बहुमत के 272 के आंकड़े को नहीं छू पाई

नई दिल्लीः लोकसभा चुनाव 2024 के मंगलवार को आए नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा बहुमत के 272 के आंकड़े को नहीं छू पाई लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग या एनडीए) 290 सीटों पर आगे है। भाजपा 240 सीटों पर जीत के नजदीक है। लोकसभा -2024 के नतीजों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी - भाजपा 240, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस - कांग्रेस 99, समाजवादी पार्टी - सपा 37, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस - एआईटीसी 29, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - डीएमके 22, तेलुगु देशम - टीडीपी 16, जनता दल (यूनाइटेड) - जेडी(यू) 12, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) - एसएचएसयूबीटी 10, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - शरद चंद्र पवार - एनसीपीएसपी 07, स्वतंत्र - 07, शिवसेना - एसएचएस 06, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) - एलजेपीआरवी 05, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) - सीपीआई(एम) 04, युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी - वाईएसआरसीपी 04, राष्ट्रीय जनता दल - आरजेडी0 4, आम आदमी पार्टी - एएपी 03, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग - आईयूएमएल 03, झारखंड मुक्ति मोर्चा - जेएमएम 03, जनता दल (सेक्युलर) - जेडी(एस) 02, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस - जेकेएन 02, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी - सीपीआई 02, राष्ट्रीय लोक दल - आरएलडी 02, जनसेना पार्टी - जेएनपी 02, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (लिबरेशन) - सीपीआई (एमएल) (एल) 02, विदुथलाई चिरुथैगल काची - वीसीके 02, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) - एचएएमएस 01, केरल कांग्रेस - केईसी 01, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी - आरएसपी 01, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी - एनसीपी 01, वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी - वीओटीपीपी 01, जोराम पीपुल्स मूवमेंट - जेडपीएम 01, शिरोमणि अकाली दल - एसएडी 01, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी - आरएलटीपी 01, भारत आदिवासी पार्टी - बीएचआरटीएडीवीएसआईपी 01, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा - एसकेएम 01, मरूमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम - एमडीएमके 01, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) - एएसपीकेआर 01, अपना दल (सोनेलाल) - एडीएएल 01, आजसू पार्टी - एजेएसयूपी 01, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन - एआईएमआईएम 01, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी, लिबरल - यूपीपीएल 01, असम गण परिषद - एजीपी 01, बीजू जनता दल बीजेडी 01।

इस बार भारतीय जनता पार्टी को 36.61 प्रतिशत वोट मिला है। कांग्रेस को 21.27 प्रतिशत, सपा को 4.60 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस को 4.37 प्रतिशत वोट मिला है। इसके अलावा दो राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भी एनडीए को जीत मिली है। आंध्र प्रदेश में 175 सीटों में तेलुगु देश पार्टी के नेतृत्व में एनडीए को 163 सीटें मिली हैं।

आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम - टीडीपी 134, जनसेना पार्टी - जेएनपी 21, भारतीय जनता पार्टी - बीजेपी 8, युवजन श्रमिका रायथू कांग्रेस पार्टी - वाईएसआरसीपी 12 सीटें मिलीं है।

हरियाणा में मुकाबाल ड्रा रहा, बीजेपी-कांग्रेस ने जीती 5-5 सीटें

चंडीगढ

लोकसभा चुनाव में हरियाणा के मतदाता ने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का सपना भंग कर दिया। दोनो ही हरियाणा की सभी दस लोकसभा सीट जीतने का दावा कर रहे थे।लेकिन मतदाता ने दोनो को पांच पांच सीट बांट दी। मंगलवार को आए चुनाव परिणाम में भाजपा और कांग्रेस को पांच पांच सीट मिली।पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल सीट से जीत दर्ज की और करनाल विधानसभा सीट के उपचुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी जीत गए। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में 2019 के लोकसभा चुनाव में सभी 10 सीटें जीत ली थी और इस बार भी भाजपा सभी दस सीट जीतने का दावा कर रही थी। लेकिन सिर्फ 5 सीटो पर ही संतोष करना पड़ा।

मंगलवार रात तक मिले परिणामों के अनुसार

भाजपा को करनाल, कुरुक्षेत्र, फरीदाबाद, गुरुग्राम और भिवानी महेंद्रगढ़ सीट से जीत मिली। जबकि कांग्रेस ने अंबाला, सोनीपत, हिसार, सिरसा और रोहतक सीट पर जीत दर्ज की।

लोकसभा चुनाव में दमदार प्रदर्शन करने के बाद विक्ट्री साईन दिखाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी।

राहुल गांधी वायनाड से जीते, रायबरेली से भी बड़ी जीत की ओर

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीत गए हैं जबकिउत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से 3 लाख 90 हजार से अधिक मतों से निर्णायक बढ़त बनाए हुए हैं। वायनाड से वे लगातार दूसरी बार जीते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी अमेठी और वायनाड; दो सीटों से लड़े थे, लेकिन अमेठी से हार गए थे। इस बार अमेठी से राहुल परिवार के करीबी और चुनाव प्रबंधक किशोरी लाल ने भाजपा की चर्चित नेता और केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को 1 लाख 67 हजार 196 मतों से शिकस्त दी है। केरल की वायनाड सीट पर राहुल गांधी को कुल 6, 47,445 मत प्राप्त

हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की उम्मीदवार एन्नी राजा को 3,64,422 मतों के अंतर से हराया। एन्नी राजा को कुल 2,83,023 मत मिले।

वहीं उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट पर भी राहुल गांधी को 6,87,649 मत प्राप्त हो चुके हैं और वे भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह से 3,90,030 मतों की निर्णायक बढ़त बना चुके हैं।

10 साल के बाद पहली बार कांग्रेस सेंचुरी की ओर

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के वोटों की गिनती आज सुबह से जारी है और अब कई सीटों के अंतिम नतीजे भी आने लगे हैं। ये नतीजे विपक्ष के लिए भी खुशखबरी लेकर आया है। 10 सालों के बाद पहली बार कांग्रेस सेंचुरी की ओर बढ़ रही है तो वहीं विपक्ष भी 200 से ज्यादा सीटें ले आया है। कांग्रेस ने 99 सीटों पर बढ़त बना रखी है। इसके साथ कांग्रेस विपक्ष में बैठने का संकेत भी दे चुका है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 242 लोकसभा सीटों पर आगे चल रही है और बहुमत से 30 सीट दूर है। वहीं उसकी सहयोगी पार्टियों जनता दल यू (जेडीयू) ने 14 और टीडीपी ने 16 सीटें हासिल की हैं।

हिमाचलः भाजपा का चारों सीटों पर परचम

शिमला

हिमाचल में सभी चारों संसदीय क्षेत्रों के परिणाम घोषित हो गए है। भाजपा ने सभी सीटें जीतीं हैं। निर्वाचन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की चारों संसदीय क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों को जीत प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. राजीव भारद्वाज को 632793 व कांग्रेस उम्मीदवार आनन्द शर्मा को 380898 वोट मिले, जबकि 6372 ने नोटा का बटन दबाया।हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनुराग ठाकुर को 607068 व कांग्रेस के सतपाल रायजादा को 424711 वोट मिले, जबकि 5178 ने नोटा को चुना।मंडी संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्यशी कंगना रनौत 537022 वोट मिले, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 462267 वोट प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त 5645 ने नोटा का विकल्प चुना।शिमला संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सुरेश कश्यप को 519748 जबकि कांग्रेस प्रत्याशी विनोद

सुल्तानपुरी को 428297 वोट मिले और 5930 ने नोटा का विकल्प चुना। सिनेमा के पर्दे पर राजनेत्रियों के किरदार अदा करने वाली सिने अभिनेत्री एवं मंडी की बेटी सियासत की जमीन पर भी जीत का परचम फहराया है। क्वीन के नाम से मशहूर कंगना ने बुशहर रियासत के राजा विक्रमादित्य को विरासत की जंग में पराजित कर दिया। अठाहरवीं लोकसभा के लिए हुए इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने 5,37022 मत प्राप्त किए जबकि कांग्रेस के उ मीदवार लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने 462267 मत प्राप्त किए । जिसके चलते वे कंगना से 74755 मतों के अंतर से चुनाव हार गए। हालांकि, भाजपा ने प्रदेश की चारों लोकसभा सीटों पर भगवा परचम फहराकर इतिहास को तीसरी बार दोहराया है। इसके बावजूद मंडी के चुनावी मैदान कंगना के आने और कंगना के विवादित बयानों से प्रदेश की सबसे बड़ी संसदीय सीट देश भर में हॉट सीट बन गई थी। मंडी संसदीय सीट अपने आपमें कांग्रेस की परंपरागत सीट मानी जाती रही है। लोकसभा उपचुनाव में भी यह सीट कांग्रेस ने जीती थी। कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह यहां से उस समय सांसद बनी थी। जब प्रदेश में जयराम सरकार और केंद्र में मोदी सरकार मौजूद थी। मंडी संसदीय सीट बीते बीस चुनावों में कांग्रेस चौदह बार और भाजपा पांच बार तथा जनता पार्टी एक बार जीत का परचम फहरा चुकी है।

उप्र में गेमचेंजर साबित हुए अखिलेश यादव

लखनऊ

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे बेहद चौकाने वाले सामने आए हैं। इन नतीजों के बीच उत्तर प्रदेश की 80 सीटों की बात करें तो यहां पर भारतीय जनता पार्टी की चाणाक्य नीति पर विपक्षी गठबंधन के नेता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भारी पड़ते दिखाई दिए। अखिलेश यादव यूपी की राजनीति में गेमचेंजर के रूप में उभर कर सामने आए हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव से पूर्व अपनी रणनीति में बदलाव किया। इसके तहत उन्होंने सबसे बड़ा निर्णय पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ चुनाव मैदान में उतरने का लिया। हालांकि इस दौरान उन्हें कई राजनीतिक रोड़े और झटके विश्वास पात्र पार्टी नेताओं और सहयोगी दलों द्वारा दिए गए। इसके बावजूद अखिलेश यादव ने बिना किसी समझौते के आगे बढ़ने का निर्णय लिया। चुनाव के बीच में अपनों द्वारा लगातार अखिलेश को गहरा झटका दिया जाता रहा है। बिना किसी शिकवा शिकायत के सपा अध्यक्ष आगे बढ़ते रहे। इस चुनाव में उनके चाचा शिवपाल यादव के साथ ने अखिलेश को बल दिया और वो भाजपा के डबल इंजन के सामने डट कर खड़े रहे। कांग्रेस के साथ 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने के अखिलेश निर्णय को सियासत में पहले तो राजनीतिक

विश्लेषक गलत ठहरा रहे थे लेकिन आज के परिणाम सामने आने के बाद गेमचेंजर के रूप में देखा जा रहा है। सपा के साथ चुनाव लड़ने से कांग्रेस को भी उप्र में संजीवनी मिल गई है। कांग्रेस को बड़ा फायदा पहुंचा है। इस लोकसभा चुनाव में इन दो शहजादों की जोड़ी ने उप्र में ऐसा कमाल किया कि कांग्रेस की झोली में अमेठी और रायबरेली के अपने गढ़ समेत छह सीटों को जीतने में सफता मिली है। वहीं सपा ने अपने गढ़ इत्र नगरी कन्नौज, आजमगढ़, मैनपुरी सहित करीब 37 सीटों पर बढ़त बनाई है। उप्र में भाजपा खेमे में विपक्षी गठबंधन ने 80 सीटों पर आधे से अधिक पर सेंधमारी की है।

एनडीए गठबंधन में रालोद के खाते में दो और अपना दल (एस) ने एक सीट पर जीत दर्ज की है। एक सीट पर भीम आर्मी ने जीत दर्ज कर चौकाने का काम किया है। इस तरह से भाजपा के खाते में 33 सीट मिलती दिख रही है।

चुनाव आयोग द्वारा कई सीटों के नतीजों को घोषित न किए जाने से एक-दो सीटों पर आंकड़ों में बदलाव होने की संभवाना है।

गठबंधन में लेंगे सरकार बनाने को लेकर फैसलाः कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी का कहना है कि देश में सरकार बनाने का फैसला वह अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर लेगी। हालांकि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाने की बात कही। कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 में 100 के करीब सीटें मिलती दिखाई दे रही हैं। पिछली बार के

55 सीटों के आंकड़ों के बाद इस बार कांग्रेस लगभग दो गुना सीटों पर जीत के करीब है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी और जयराम रमेश ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर जनता को वोट देने के लिए धन्यवाद दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम जनता के मत को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। सत्ताधारी पार्टी एक व्यक्ति और नाम पर चुनाव लड़ रही थी, जिसे जनता ने नकार दिया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नैतिक और राजनैतिक हार है। जनता ने उनकी महत्वाकांक्षाओं पर अवरोध लगाया है। महंगाई, बेरोजगारी, किसान और मजदूरों के हितों के लिए जनता ने वोट किया है।

दिल्ली में सातों सीटों पर खिला कमल

नई दिल्ली

दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर एक बार फिर 'कमल' खिला है। भाजपा ने दिल्ली की सभी सीटों पर शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) ने मिलकर काफी दम लगाया, लेकिन कुछ खास अंतर होता नजर नहीं आया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार उत्तर पूर्वी दिल्ली में भाजपा के मनोज तिवारी 1 लाख 37 हजार अधिक वोटों से कांग्रेस

के कन्हैया कुमार को हराया। मनोज तिवारी ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है । नई दिल्ली सीट से भाजपा की बांसुरी स्वराज ने आआपा के सोमनाथ भारती को 78,000 से अधिक वोटों से हराया। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 01 लाख 24 हजार अधिक मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सही राम को हराया। उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के योगेन्द्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2,74,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया।

पूर्वी दिल्ली सीट से भाजपा के हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार के खिलाफ 81,000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से हुई मौत

मनिकापुर ग्राम सभा का मजरा गांव बबुराही का पुरा गांव की घटना

कसेरूआ कला गांव स्थित पोखरा तालाब पर तीनों नहाने गई हुई थी।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत पर रोते बिलखते परिजन।

अखंड भारत संदेश

सहसों। सरायइनायत थाना के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत मनिकापुर ग्राम सभा का मजरा गांव बबुराही का पुरा गांव में मंगलवार को तीन छात्राओं की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। जिससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मौके पर पहुंची सहसों पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर में काजल बिन्द 12 वर्ष पुत्री पवन बिन्द, निधि बिन्द 12 वर्ष पुत्री सुरेश बिन्द एवं रानी बिन्द 13 वर्ष पुत्री स्वर्गीय जोगिंदर बिन्द समीप के कसेरूआ कला गांव स्थित पोखरा तालाब पर तीनों नहाने गई हुई थी। नहाते समय अचानक फिसलने से डूबने लगी पास ही में खेल रहे दो बच्चों ने शोर मचाते हुए गांव की तरफ भागे। जब तक गांव के लोग पहुंचे तब तक तीनों छात्राओं की सांसे थम चुकी थी। आनन फानन में परिजनों सहित अन्य लोगों ने तीनों छात्रों को तालाब से बाहर निकाला तथा समीप के चिकित्सालय में उपचार हेतु ले गए जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी सहसों शिव प्रताप सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस प्रयागराज भेज दिया। तीनो छात्राओं की मौत से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

छः दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

सोरांव। मंगलवार को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी सोरांव के प्रशिक्षण सभागार में पियर एजुकेटर एवं आशाओं का 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को समापन किया गया। प्रशिक्षण दाता एएनएम अंजूला श्रीवास्तव, स्मिता सिंह के द्वारा किशोर व किशोरियों एवं आशाओं को खानपान तथा पौष्टिक आहार लेने पर जोर दिया गया। परामर्श दाता ओम सिंह द्वारा उपस्थित सभी लोगों को बताया गया कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का विकास होता है। किशोरावस्था बालापन से वयस्क के बीच का वह समय होता है जिसमें एक लड़की स्त्री के रूप में तैयार होती है। तथा एक लड़का पुरुष के रूप में तैयार होता है। किशोरावस्था की उम्र 10 से 19 साल होती है। जिसमें शारीरिक, मानसिक, भावात्मक, सामाजिक बदलाव होते हैं। यह बदलाव शरीर में स्थित हारमोंस के कारण होते हैं। इस मौके पर अधीक्षक डॉक्टर अनुपम द्विवेदी एवं स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी विजय प्रकाश मौर्य, चीफ फार्मासिस्ट संजय शुक्ला, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनोद कुमार सिंह,जिला कोऑर्डिनेटर मनु राय ट्रेनर अंजुला श्रीवास्तव, स्मिता सिंह, आशा किरन सरोज एवं पियर एजुकेटर उपस्थित रहे। ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक अनिल द्विवेदी वीसीपीएम प्रकाश चंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

सहसों में राहगीरों को पिलाया गया सरबत

अखंड भारत संदेश

सहसों। भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत देने के लिए सहसों स्थित राम जानकी मंदिर के बगल गंगाधाम सिक्योरिटी एण्ड मोबाइल सेल्यूशन सेंटर के तत्वाधान में राहगीरों को गर्मी एवं प्यास मे राहत के लिए शरवत वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पैदल, बाइक, टेंपो, कार एवं बस में सवार यात्रियों तथा राहगीरों को रोक कर सेवा भाव के साथ शरबत पिलाया गया। इस अवसर पर आयोजक वयो वृद्ध राजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह आयोजन आज मंगलवार के दिन महाबली हनुमानजी की कृपा एवं आशीर्वाद से हो रहा है। शरबत वितरण आयोजन में राहगीरों एवं यात्रियों ने शरबत का लुत्फ लेकर प्यास बुझाते गर्मी से राहत पाए। इस मौके पर अश्विनी प्रताप सिंह, अमन सिंह राजपूत, रामबरन यादव उर्फ बोधी, जय प्रकाश शुक्ला, सागर सिंह, आशीष एवं सूरज सहित आदि लोग सहयोग करते उपस्थित रहे।

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 63 में कैडेटों को दी गई मैप रीडिंग की जानकारी

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी 15 यूपी बटालियन एनसीसी प्रयागराज द्वारा सेंट जॉनस एकेडमी करछना में चलाए जा रहे हैं संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में मंगलवार को कैडेटों को मैप रीडिंग की जानकारी उपलब्ध कराई गई। मैप रीडिंग के लिए कैडेटों को अरैल घाट पर ले जाकर उन्हें मैप पढ़ने एवं कंपास द्वारा अपनी स्थिति मालूम करने संबंधी व्यावहारिक जानकारी दी गई । कैंप एडजूटेंट मेजर राजेश कुमार तिवारी, सूबेदार राजेंद्र कुमार, हवलदार प्रत्यूष कुमार, हवलदार देवेंद्र, हवलदार वीरेंद्र, हवलदार पुष्पराज आदि ने कैडेटों को किला घाट, शास्त्री पुल आदि की स्थिति को मैप के द्वारा समझाया। इसी क्रम में आज शिविर क्षेत्र में कैडेटों के मध्य अग्निवीर योजना को लेकर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 35 कैडेटों ने पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किया जिसमें पक्ष के कैडेट विश्वास नारायण एवं विपक्ष की क्रेडिट अनन्या मिश्रा विजेता घोषित किए गए। इसी क्रम में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कैडेट आरुषि सिंह, अलका कुशवाहा, साक्षी मिश्रा, एवं मासूम केसरवानी को विजेता घोषित किया गया इस अवसर पर जज के रूप में मेजर राजेश कुमार तिवारी, लेफ्टिनेंट अभिजीत एवं चीफ ऑफिसर उपेंद्र सिंह मौजूद रहे।

वाद-विवाद एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

फल विक्रता का करंट की चपेट में आने से गई जान

फल विक्रेता की करंट से मौत पर विद्युत विभाग के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। शौच के लिए गए फल विक्रेता की करंट के चपेट में आने से मौके पर मौत हो गई । मौत की खबर सुन कर ग्रामीणों का मजमा लग गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने मृतक जे पिता की तहरीर पर विद्युत विभाग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के बादीपुर ग्राम निवासी संजय कुमार पटेल 30 वर्ष पुत्र लल्लू राम पटेल ठेले पर घूम घूम कर फल बेचता था।बताते हैं कि मंगलवार को सुबह संजय कुमार पटेल शौच के लिए खेत गया। जहां अर्थिंग के तार और पहले से पोल में उतर रहे करंट की चपेट में आने से संजय कुमार पटेल की मौके पर मौत हो गई।संजय के मौत की खबर सुन्नते ही ग्रामीणों का मजमा लग गया। और संजय कुमार के परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया है कि विद्युत विभाग की घोर लापरवाही का आरोप परिजन और ग्रामीणों ने लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने पर अड गए। जिससे पुलिस के हाथ पांव फूल गए। पुलिस मौके पर पहुंच कर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाया परन्तु बिना मुकदमा दर्ज किए शव न ले जाने पर ग्रामीण अडे रहे। घंटों मशक्कत के बाद मृतक के पिता लल्लू राम पटेल पुत्र मया राम की तहरीर पर पुलिस ने विद्युत विभाग के खिलाफ घोर लापरवाही के कारण संजय की मौत का मुकदमा दर्ज किया गयं और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि मृतक तीन भाईयों में सबसे बडा था।और मृतक के एक पुत्र तीन साल का एक पुत्री छह माह की है। संजय कुमार पटेल की मौत पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मेजा में हीट स्ट्रोक से युवक की मौत, मचा कोहराम

प्रयागराज। मेजा के रामनगर में हीट स्ट्रोक से एक युवक की मौत हो गई। जिससेपरिजनों में कोहराम मच गया जानकारी के अनुसार गर्मी से पीड़ित युवक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। घरवाले जबतक इलाज के लिए उसको अस्पताल ले जाते, उसकी मौत हो गई। अचानक हुई युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया मेजा थाना क्षेत्र के रामनगर गरीबदास का तारा निवासी सेवालाल वर्मा का 21 वर्षीय बेटा पंकज कुमार वर्मा किसी दुकान पर मजदूरी का काम करता है। सोमवार की शाम मजदूरी कर लौटे पंकज कुमार वर्मा की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जैसे ही रात बढ़ी सीने में दर्द होने के साथ सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। घरवाले जबतक पंकज कुमार को इलाज के लिए अस्पताल ले जाते उसकी सांसे थम गई। अचानक हुई युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया, रोते बिलखते परिजनों का बुरा हाल था।

उज्जवल रमण सिंह की जीत पर मेजा में डीजे के धुन पर झूमे समर्थक

प्रयागराज। इलाहाबाद लोकसभा सीट ने देश को बड़ी राजनीतिक शख्सियतें दी हैं। देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री वीपी सिंह मुरली मनोहर जोशी जनेश्वर जैसे राजनीतिक दिग्गज यहां से चुनाव जीते हैं। हेमवती नंदन बहुगुणा को हराकर अमिताभ बच्चन भी यहां के सांसद रह चुके हैं। इलाहाबाद सीट पर NDA और INDIA गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली वही इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र के इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह की भारी बढ़त जीत की ओर पहुंचने पर मेजा में समर्थक डीजे की धुन पर झूम उठे सुबह से उठा-पटक के बीच दोपहर बाद जब उज्जवल रमण सिंह को भारी बढ़त मिलने लगी तो समर्थकों द्वारा मेजारोड चौराहे पर डीजे बजवाकर उसकी धुन पर झूमते हुए बाजार में भ्रमण किए। भ्रमण करते हुए समर्थक पार्टी कार्यालय पहुंचे। इस मौके पर अश्विनी देशराज सिंह, आशीष सिंह, अतुल तिवारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सिरवई। आदिवासी, किशन सिंह, राजेश विश्वकर्मा सहित कई समर्थक मौजद रहे।

महाप्रबन्धक रविन्द्र गोयल ने 06 रेल कर्मचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

प्रयागराज। 4 जून 2024 को महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, श्री रविन्द्र गोयल, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, श्री जे.सी.एस. बोरा एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित 06 रेल कर्मचारियों को महाप्रबन्धक महोदय के द्वारा संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में 1. श्री विजय कुमार, वरिष्ठ तकनीशियन, प्रयागराज, प्रयागराज मण्डल, 2. श्री नारायण, असिस्टेंट/एस एण्ड टी, अछलदा/प्रयागराज मण्डल 3. श्री हरवंश, ट्रैक मेन्टेनर क्ष्, पलवल/आगरा मण्डल 4. श्री मनीष शर्मा, उप स्टेशन प्रबन्धक, बिजरौठा/झाँसी मण्डल 5. श्री रमा शंकर, वरि.ट्रेन मैनेजर-गुड्स, झाँसी/झाँसी मण्डल 6. श्री दिनेश चन्द्र, प्वाइण्टस मैन, कौरारा/प्रयागराज मण्डल शामिल हैं। श्री दिनेश चन्द्रा, को अप्रैल, 2024 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री दिनेश चन्द्रा, प्वाइंटस मैन/ कौरारा/प्रयागराज मण्डल दिनांक 22.03.2024 को 08-16 की शिफ्ट में कार्यरत थे। गाड़ी सं. 12398 के 16:08 बजे कौरारा स्टेशन से पास होने पर इन्होंने गाड़ी में असामान्य आवाज सुनी। जिसकी सूचना स्टेशन मास्टर एवं प्वाइंटसमैन द्वारा वाकी टाकी पर लोको पायलट को दी गई। प्वाइंटसमैन द्वारा गार्ड को लाल सिग्नल दिखाया गया। इसे संरक्षित कर गाड़ी को 16:38 बजे चलाया गया। इस प्रकार इनके त्वरित कार्यवाही से रेल दुर्घटना को बचाया गया।

रेलवे सुरक्षा बल/प्रयागराज ने मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया

प्रयागराज। 3 जून 2024 को रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक संजय कुमार तिवारी व राजकीय रेलवे पुलिस के उप निरीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से यात्री सामान की चोरी की रोकथाम व चोरी में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिए प्रयागराज जंक्शन पर यात्रियों के सामान को चोरी करते हुए दो शातिर चोरों को पकड़ा गया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पूछ-ताछ करने पर अभियुक्तों ने अपना नाम रूपे सिंह गौड, पुत्र बद्री सिंह गौड, उम्र 21 वर्ष, शहडोल, मध्य प्रदेश और मनोज शर्मा, पुत्र स्वर्गीय राम लखन शर्मा, उम्र 24 वर्ष, खुल्दाबाद, प्रयागराज बताया । अभियुक्तों के पास से चोरी के दो मोबाइल बरामद किए गए जिनकी अनुमानित कीमत 30,000/-रूपए है । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा उचित कार्यवाही की जा रही है।

पीसीएस प्री 27 अक्तूबर, आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर को, आयोग ने जारी किया संशोधित कैलेंडर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने वर्ष 2024 का संशोधित परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा 27 अक्तूबर और समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। संशोधित कैलेंडर में 28 जून से 22 दिसंबर तक कुल 12 परीक्षाएं प्रस्तावित हैं।आयोग ने सम्मिलित राज्य कृषि सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 की तिथि भी घोषित कर दी है, जो 18 अगस्त को प्रस्तावित है। इस परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया 10 मई को पूरी हो चुकी है और अभ्यर्थियों को परीक्षा तिथि घोषित होने का इंतजार था। यह भर्ती चार साल बाद होने जा रही है। इसका पिछला विज्ञापन वर्ष 2020 में जारी किया गया था।आयोग ने पेपर लीक प्रकरण में निरस्त की गई आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 की पुनर्परीक्षा के साथ ही मार्च और अप्रैल में स्थगित की गईं पांच परीक्षाओं की नई तिथियां भी जारी कर दीं हैं। चुनाव के बाद आयोग सबसे पहले 28 जून से अपर निजी सचिव परीक्षा-2023 (शॉर्टहैंड/टाइपिंग) कराने जा रहा है। यह परीक्षा तकरीबन 25 दिन चलेगी। आयोग के संशोधित कैलेंडर में पूर्व निर्धारित सभी परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव किया गया है।

पूर्व में जारी कैलेंडर की एक परीक्षा को नहीं मिली जगह : आयोग की ओर से पूर्व में जारी कैलेंडर में शामिल एक परीक्षा को संशोधित कैलेंडर में जगह नहीं मिली है। पूर्व में जारी कैलेंडर में 25 अगस्त को उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा (अध्यापक/प्रशिक्षण) सेवा परीक्षा-2023 प्रस्तावित थी। संशोधित कैलेंडर में इस परीक्षा को जगह नहीं मिल सकी है। नई भर्ती परीक्षाओं के लिए पांच तिथियां आरक्षित आयोग की ओर से जारी संशोधित कैलेंडर में पांच तिथियां आरक्षित रखी गईं है। 21 जुलाई, छह अगस्त, 10 नवंबर, आठ दिसंबर और 15 दिसंबर की तिथि आरक्षित है। आयोग को कई भर्तियों के लिए रिक्त पदों का अधियाचन मिल चुका है। अगर आयोग किसी नई भर्ती का विज्ञापन जारी करता है तो इन आरक्षित तिथियों में नई भर्ती परीक्षाएं कराई जा सकती हैं।

प्रयागराज मंडल में भाजपा को लगा झटका मरहम साबित हुई प्रवीण पटेल की जीत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। लोकसभा चुनाव में भाजपा को इस बार प्रयागराज मंडल में झटका लगा है। प्रयागराज मंडल की इलाहाबाद, फूलपुर, कौशाम्बी और प्रतापगढ़ सीट में से भाजपा सिर्फ फूलपुर सीट ही बचा पाई। यहां भी भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल की जीत का अंतर काफी कम रहा। एक बार तो यह भी लगा कि प्रवीण पटेल चुनाव हार गए हैं, लेकिन अंत में वह 4784 वोट से जीत गए। इसलिए इस जीत को भाजपा के लिए मरहम माना जा रहा है। प्रयागराज की फूलपुर सीट भाजपा के लिए इस बार शुरू से ही सुर्खियों में रही। क्योंकि भाजपा ने यहां से सांसद केशरी देवी पटेल का टिकट काटकर विधायक प्रवीण पटेल को उम्मीदवार बनाया। यह निर्णय चौंकाने वाला इसलिए भी था क्योंकि केशरी देवी पटेल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में रिकार्ड 544701 मत पाए थे। यह फूलपुर में अब तक का सर्वाधिक वोट है। इसके पूर्व यहां 2014 में पहली बार केशव प्रसाद मौर्य ने पांच लाख का आंकड़ा पार किया था। इन दोनों प्रत्याशियों के मुकाबले प्रवीण पटेल इस बार पांच लाख का भी आंकड़ा पार नहीं कर सके। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के नाम यहां सबसे बड़े अंतर से चुनाव जीतने का भी कीर्तिमान है। 2014 के चुनाव में उन्होंने इस सीट से सपा के धर्मराज पटेल को 3.08 लाख मतों से हराया था, जबकि 2019 में केशरी देवी ने इस सीट से सपा के पंधारी यादव को तकरीबन पौने दो लाख मतों से शिकस्त दी थी। इन दोनों बड़ी जीत के मुकाबले भाजपा के प्रवीण पटेल की जीत सिर्फ मरहम लगाने वाली ही साबित हुई।

फूलपुर लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रवीण पटेल जीते

सपा के अमरनाथ सिंह मौर्य को 4784 वोटों से हराया,जगन्नाथ पाल तीसरे नंबर पर रहे

प्रयागराज। फूलपुर लोकसभा के लिए सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती जारी है। मुंडेरा सब्जी मंडी में मतगणना चल रही है। फूलपुर सीट से 15 प्रत्याशी मैदान में हैं। बीजेपी के प्रवीण पटेल ने 4784 वोटों से जीते। दूसरे नंबर पर सपा के अमर नाथ सिंह मौर्य रहे, उन्हें 446596 वोट रहे। वहीं, तीसरे नंबर पर बसपा के जगन्नाथ पाल हैं, जिनको 82375 वोट मिले।

फूलपुर से इण्डिया गठबंधन उम्मीदवार अमरनाथ सिंह मौर्य की प्रतिक्रिया

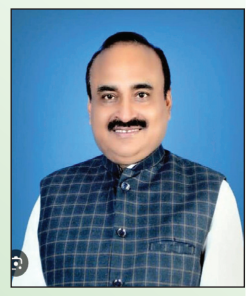

प्रयागराज। फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से इण्डिया गठबंधन से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़े अमरनाथ सिंह मौर्य ने चुनाव परिणाम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि ह्लजनता ने मुझे जनादेश दिया था। धनबल, बाहुबल एवं प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल कर मुझे हरा दिया गया। फूलपुर की जनता एवं गठबंधन के साथियों का मुझे अपार स्नेह मिला जिसका आभारी हूँ। जनता के बीच मै हमेशा बना रहूँगा।पार्टी मे एक कार्यकर्ता की तरह काम करता रहूँगा।

प्रयागराज में 40 साल बाद इलाहाबाद सीट पर खुला कांग्रेस का खाता उज्जवल रमण ने दर्ज की जीत

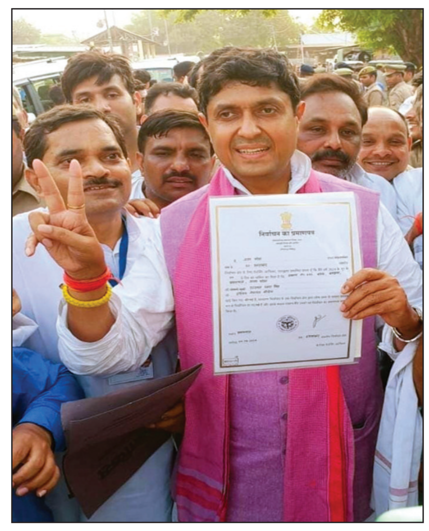

प्रयागराज। इलाहाबाद लोकसभा सीट में कांग्रेस ने धमाकेदार वापसी करते हुए कांटे की टक्कर के बीच जिले के चर्चित इलाहाबाद लोकसभा सीट पर 40 साल बाद कांग्रेस का कब्जा हुआ है। कांग्रेस के प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह ने यहां से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी को 58 हजार 352 मतों से शिकस्त दी है। तीसरे स्थान पर बसपा का प्रत्याशी रमेश कुमार पटेल रहे है। उज्जवल रमण ने अपनी इस जीत को इसी सीट से दो बार सांसद रहे अपने पिता कुंवर रेवती रमण सिंह की जीत बताई है। इलाहाबाद लोकसभा सीट में कांग्रेस ने धमाकेदार वापसी करते हुए भाजपा से यह सीट छीन ली है। उज्जवल को 4 लाख 61 हजार 135 मत मिले जबकि नीरज त्रिपाठी को 4 लाख दो हजार 783। तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी रमेश कुमार पटेल रहे हैं जिन्हे 49026 मत मिले। उज्जवल ने इस जीत को अपनी पिता की मेहनत का नतीजा बताया है।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज में दो छात्रों से रैगिंग, चार छात्र हॉस्टल से निष्कासित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के दो छात्रों से रैगिंग और मारपीट के बाद आरोपित चार छात्रों पर कार्रवाई की गई है। उन्हें छह महीने के लिए छात्रावास से निष्कासित कर 10-10 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया है। कालेज प्रशासन ने आरोपितों का सामान बाहर कर कमरों में ताला लगा दिया है। छात्रावास में जूनियर छात्रों की पार्टी पर वरिष्ठों ने आपत्ति जताई थी और यही मूल वजह एंटी रैगिंग टीम के सामने आई है।कालेज के छात्रावास में द्वितीय वर्ष के दो छात्रों से पिछले दिनों मारपीट हुई थी। पीड़ितों ने शिकारयत कर बताया था कि उनसे रैगिंग हुई है। आरोप चतुर्थ वार्षिक सत्र के चार छात्रों पर लगा । कालेज प्रशासन ने जांच कराई तो घटना की वास्तविकता पता चली। इसके बाद एंटी रैगिंग टीम ने आरोपित छात्रों पर कार्रवाई की। एंटी रैगिंग टीम के प्रमुख डा. दिलीप चौरसिया ने कहा कि आरोपित छात्रों की जो गलती सामने आई थी उसकी उन्हें सजा दी गई। बताया कि आरोपितों के माता-पिता को नहीं बुलाया गया है।

नैनी में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उज्जवल की जीत का जश्न मनाया

इलाहाबाद से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह को जीत की हार्दिक बधाई : नयन कुमार कुशवाहा

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी प्रयागराज संसदीय लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह की बड़ी जीत पर कांग्रेस पार्टी कार्यालय नैनी में पार्टी कार्यकर्ता द्वारा बहुत-बहुत बधाई दी गई और कार्यालय में एक दूसरे से गले मिलकर के मुंह मीठा करते हुए मिष्ठान वितरण किया गया और अबीर गुलाल के साथ होली जैसा माहौल माहौल दिखा! कार्यकताओं ने नृत्य करते हुए हर्षो उल्लास के साथ जीत का जश्न मनाया। यह जीत सन 1985 के बाद अमिताभ बच्चन के जीत के बाद लगभग 40 वर्षों बाद कांग्रेस पार्टी की बहुत बड़ी जीत के बाद पुनः कांग्रेस का परचम लहराया यह जीत प्रयागराज वासिओ के लिए बड़े ही गर्व का अवसर है। हम समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता गण महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन के कुशल नेतृत्व में समस्त कार्यकताओं की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है जीत का जश्न मनाने वालों में नयन कुमार कुशवाहा, राकेश श्रीवास्तव, विवेक पांडे अंजुम नाज, राजकुमार कुशवाहा, प्रदीप वर्मा, पंडित वीरेंद्र शर्मा, शिव शंकर मिश्रा, मुन्ना जाफरी, निजामुद्दीन, ऊषा गौर, वीरेंद्र यादव, विजय कुमार कुशवाहा, इंदुबाला चौधरी, उर्मिला आदिवासी, धीरेंद्र यादव, अजय यादव गोरे, विनय जायसवाल, अजहर अली, मिराज अहमद, शहजाद, राजेश पटेल, मुन्ना यादव, कमल कुरैशी, अंकित यादव, शहजाद आलम, सारिका श्रीवास्तव, बजरंगी, शत्रुघ्न भारतीय, नागेश भारतीय, राजू भारतीय, जितेंद्र गौतम इत्यादि लोग शामिल रहे।

गठबंधन की जीत से झूमें कांग्रेसी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह की जीत के बाद कार्यकताओं व समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। मंगलवार को पुराने शहर स्थित रोशनबाग इलाके में जुटे कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जहां जीत की बधाई दी तो वहीं अबीर गुलाल लगाकर होली खेली। वहीं बैंडबाजे के साथ कांग्रेसियों ने आतिशबाजी भी की। मतगणना का दौर जैसे जैसे आगे बढ़ता रहा वैसे वैसे कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होने लगी। जीत का अंतर बढ़ने के साथ ही कांग्रेसी कार्यकताओं व समर्थकों का उत्साह बढ़ने लगा। जीत की तरफ बढ़ते कदम के साथ ही कार्यकताओं ने नारेबाजी भी शुरू कर दी। शाम होते-होते जब कांग्रेस प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो गई तो कार्यकताओं ने मिठाई का वितरण शुरू कर दिया। पार्टी के जिला शहर कमेटी के प्रवक्ता हसीब अहमद ने कहा की गठबंधन की प्रचंड जीत का उत्साह साफ नजर आया। कहा की भाजपा तमाम राजनितिक हथकंडे अपनाने के बाद भी अकेले बहुमत के आकड़े से कोसो दूर है। इसलिए नरेन्द्र मोदी को नैतिकता के आधार पर पीएम पद से इस्तीफा देकर देश से माफी माँगना चाहिए। इस दौरानः हसीब अहमद, मनोज पासी, मो०हसीन, गौरव पाण्डेय, शकील अहमद, दीपचंद शर्मा, तबरेज अहमद, सुनील पाण्डेय, उदय यादव समेत आदि लोग मौजूद रहें।

सब्जी बेचने जा रहे किसान को स्कार्पियो ने मारी टक्कर, मौत

सोरांव। मंगलवार को नवाबगंज के सराय दत्ते निवासी उत्तम कुमार मौर्य पुत्र शीतल दीन मौर्य सब्जी बेचने मंडी में जा रहे थे। जैसे ही वह हंडिया कोखराज राष्ट्रीय मार्ग के अलीपुर गांव के पास पहुंचे ही थे तभी तेज गति से आ रही एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे मौके पर किसान उत्तम कुमार मौर्य की मौत हो गई। और स्कार्पियो गाड़ी बगल खाई में जा गिरी। मौका पाकर चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंचे मृतक के साला राहुल कुमार मौर्य पुत्र जीत लाल मौर्या निवासी जूड़ा पुर दांदू ने सोरांव पुलिस को घटना की सूचना दिया। घटना स्थल पर पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वही मृतक के साला ने अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया है। पुलिस जांच कर रही है।

नैनी में उज्जवल रमण सिंह को सांसद बनने पर समर्थकों में खुशी की लहर

इलाहाबाद संसदीय सीट 40 साल बाद कांग्रेस के खाते में आई है : समाजसेवी सुधीर शर्मा

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी चक रघुनाथ में समाजसेवी सुधीर शर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष अरवल बिहार ने अपने निवास स्थान पर अपने समर्थकों के साथ चुनाव का समीकरण समझते हुए इलाहाबाद संसदीय सीट से उज्जवल रमण सिंह को सांसद बनने की खुशी में अपने समर्थकों के बीच में मिष्ठान बटते हुए। समाजसेवी सुधीर शर्मा ने बताया कि सांसद उज्जवल रमण को सांसद बना पहले से तय था। वही समाजसेवी मुक्तेश्वर सिंह उर्फ. मंटू सिंह ने सभी को धन्यवाद किया इस मौके पर। राजेश साहू विनय सिंह मोनू सिंह राहुल सिंह सुनील जायसवाल संजय मिश्रा बीरचन्द्र यादव वंश नारायण पांडे विनोद केसरवानी डॉक्टर संदीप अतुल केसरवानी टुनटुन पांडे कुलदीप शर्मा विपिन प्रताप सिंह मौजूद थे।

पुरानी रंजिश को लेकर दम्पत्ति को मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर कतिपय लोगों ने दम्पत्ति को मारे पीटे जान से मारने की धमकी देते हुए गांव से भाग जाने की धमकी दी गई। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलीवृसिंहपुर निवासी सतीश कुमार चौरसिया पुत्र रामजी चौरसिया का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर उसकी माता राधा देवी और पिता राम जी को कतिपय लोगों ने मारे पीटे जान से मारने की धमकी देते हुए गांव से भाग जाने की धमकी दिए।इस बाबत सतीश कुमार चौरसिया ने मऊआइमा थाने में कतिपय लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है।

अवैध तमंचे के साथ दो युवक गिरफ्तार

सोरांव। मंगलवार सुबह में मुखबिर की सूचना से प्राप्त जानकारी के अनुसार दो युवक सोरांव क्षेत्र के शांति पुरम रोड पर अवैध तमंचा के साथ खड़े होने की सूचना थाना प्रभारी सतीश कुमार को मिलते ही उपनिरीक्षक उमाकांत, उप निरीक्षक विजेंद्र यादव, उप निरीक्षक सत्यदेव सिंह, उप निरीक्षक मानवेंद्र प्रसाद, उप निरीक्षक प्रकाश पाराशर संग हेड कांस्टेबल प्रदीप सिंह को सूचित स्थान पर भेजा गया। तो वहां पर गुफरान पुत्र अफसर अली निवासी तौकल पुर थाना सोरांव व मोहम्मद साहिल पुत्र मोहम्मद वसीम निवासी प्रतापगढ़ को दो अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस के साथ धर दबोचे थाने लाकर मामले में विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिए।

प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का आभार : इंजीनियर घनश्याम पांडेय

प्रतापपुर। लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 से उत्साहित भाजपा नेता इंजीनियर घनश्याम पांडेय द्वारा अपने बृज कुंज गेस्ट हाउस में भाजपा कार्यकताओं का मुंह मीठा करवाया। भदोही लोकसभा क्षेत्र से डाक्टर विनोद कुमार बिंद की जीत पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी प्रतापपुर इंजीनियर घनश्याम पांडेय ने डॉ विनोद बिंद को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों एवं नीतियों की जीत है। सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों एवं लाभकारी योजनाएं आम जनमानस तक पहुंच रही हैं जिसके कारण मतदाताओं ने एनडीए प्रत्याशी डॉ विनोद बिंद को मतदान करके भदोही का सांसद बनाया। विनोद बिंद सरल, स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के इंसान हैं क्षेत्र की जन अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे और क्षेत्र का सर्वांगीण, चहुंमुखी विकास करेंगे। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने डॉ विनोद बिंद को मतदान करके विजयी बनाया।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बृजकुमारी पांडेय, शिवधारी दुबे, मिलन दुबे, डिंपी पांडेय, पूनम पटेल, श्रीशचंद्र दुबे, बब्बू पांडेय, बबलू इलाहाबादी, विकास यादव, हौंसला पाठक, लल्लन दुबे, बच्चन मिश्रा प्रधान, पिंटू मिश्रा प्रधान, आशीष मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

हाईकोर्ट समाचार

भरण-पोषण भत्ता दो या डीएनए टेस्ट कराओ, पिता ने कोर्ट में कहा था, यह बच्चे उसके नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बच्चों को गुजारा भत्ता देने से इन्कार करने वाले पिता को आदेश दिया कि वह या तो गुजारा भत्ता दे या डीएनए जांच कराए। कोर्ट ने कहा कि पितृत्व संबंधी विवाद के कारण भरण पोषण से इन्कार करना बच्चों के मूल अधिकार का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की कोर्ट ने यह आदेश सचिन अग्रवाल की ओर दायर किए गए मामले में दिया।मामले में पुलिस स्टेशन वृंदावन, मथुरा निवासी महिला ने गुजारा भत्ता के लिए फैमिली कोर्ट में वाद दायर किया था। इस दौरान कोर्ट में आवेदक ने एक आवेदन दायर कर कहा कि बच्चे उसके नहीं हैं। इसलिए वह गुजारा भत्ता देने के लिए उत्तरदायी नहीं है। इस पर महिला के अनुरोध पर माता-पिता का पता लगाने के लिए डीएनए परीक्षण की मांग की गई। ट्रायल कोर्ट ने तीन नवंबर 2021 बच्चे के पिता का पता लगाने के लिए डीएनए जांच कराने का आदेश दिया। इस आदेश के विरोध में आवेदक ने हाईकोर्ट में वाद दाखिल किया।

याची अधिवक्ता ने दलील दी कि महिला कानूनी रूप से उसकी पत्नी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी अदालत आवेदक को उसकी सहमति के बिना डीएनए परीक्षण कराने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। इसलिए डीएनए परीक्षण का आदेश पूरी तरह से कानून के विपरीत है। महिला के अधिवक्ता ने दलील दी कि आवेदक महिला के बच्चों का जैविक पिता है और सिर्फ गुजारा भत्ता देने से बचने के लिए कह रहा है कि बच्चे उसकी संतान नहीं हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सच्चाई को उजागर करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करना चाहिए। न्याय पालिका का यह मूल कर्तव्य है कि वह सबसे सटीक और विश्वसनीय तरीकों का उपयोग करके सच्चाई का पता लगाए और न्याय करे। आगे कहा कि भरण-पोषण का अधिकार केवल कानूनी प्रावधान नहीं है, बल्कि मौलिक मानवाधिकारों में निहित है। ऐसे में अनसुलझे पितृत्व मुद्दों के कारण भरण-पोषण से इनकार करना उनके बुनियादी मानवाधिकारों का उल्लंघन होगा। कोर्ट ने आवेदक को आदेश दिया कि या तो डीएनए जांच कराएं या गुजारा भत्ता दें।

प्रमाण पत्र के साथ बीबीएफजी की छात्र-छात्राएं।

सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल ने भाजपा प्रत्याशी संगम लाल को 63647 मतों से हराया

कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर को सपा प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सरोज ने दी मात

जीत के बाद प्रसन्न मुद्रा में सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल।

महुली मण्डी से मायूस होकर लौटते भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता व विनोद सोनकर।

सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल की जीत पर मुंह मीठा कराकर जश्न मनाते अधिवक्ता।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ संसदीय सीट से इण्डिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल ने भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता को 63647 मतों से हरा दिया। इसके बाद संगम लाल गुप्ता अपनी शिकस्त देखकर महुली मण्डी से उठकर चले आए। इसी तरह कौशाम्बी की दो विधान सभा क्षेत्रों कुण्डा व बाबागंज से कुण्डा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया की मदद से 25 वर्षीय सपा प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सरोज ने वहां के भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर को लगभग एक लाख मतों से पराजित कर दिया है। बसपा प्रत्याशी प्रथमेश मिश्र को 79872 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

बता दें कि 20वें राउण्ड में सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल को 438619 मत मिले थे और भाजपा प्रत्याशी संगम लाल को 372783 मत मिले थे। इससे भाजपा को गहरा धक्का लगा है। भाजपा के दोनों सांसद संगम लाल गुप्ता व विनोद सोनकर ने अपनी हार देखकर निराश होकर मतगणना स्थल से बाहर निकल आए। प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र से संगम लाल गुप्ता से ज्यादातर लोग नाराज थे। उन्होंने अपने वक्तव्यों से सवर्णों व ठाकुरों के मत को सपा की झोली में डाल दिया था। इसके अलावा बेरोजगारी व महंगाई पर न बोलने वाली सत्ता दल की सरकार को तगड़ा झटका पूरे उत्तर प्रदेश में मिला। आज सुबह महुली मण्डी में शुरु हुई मतगणना में भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता प्रारंभिक बढ़त लेने के बाद लगातार पिछड़ते गये और अंत में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उधर अधिवक्ताओं ने सपा प्रत्याशी डा0 एसपी पटेल की जीत पर खुशी मनाई और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

सिमरन और रुचिका को मिली दोहरी सफलता

नैतिक, लाजू, सौरभ, निहारिका, प्रिया ने दिखाया दम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। ज़रूरतमंद छात्रों के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी की तरफ से आयोजित समर कैंप का मंगलवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। जिसमें अलग अलग विधा के छात्र ,छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया। पूरे समर कैंप में सिमरन प्रजापति और रुचिका ने दोहरी सफलता प्राप्त की। दो दिन बाद वाटर पार्क का आयोजन होगा। जिसमें गर्मी से निजात पाने के लिए नौनिहाल धमाल मचाएंगे।

मेंहदी और आर्ट प्रतियोगिता में सिमरन प्रजापति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मां का आंचल शीर्षक निबंध प्रतियोगिता में लाजू विश्वकर्मा, लूडो, कैरम में नैतिक,

बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप का समर कैंप का पुरस्कार वितरण

सौरभ, रुचिका और साहिबा ने प्रथम स्थान हासिल किया। डांस में रुचिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रबंधन के लिए हिमांशु, रागिनी, प्रिया, सुभम को सेंटर के प्रिंसिपल शनि और टीचर दामिनी ने मेडल और प्रमाण पत्र से नवाजा। बेहतर प्रबंधन के लिए ग्रुप की तरफ़ से दामिनी और हिमांशु को उपहार में टी शर्ट भेंट की गई प्रिंसिपल ने कहा कि यह समर कैंप जरूरत मंद बच्चों को खुशियां देने के साथ साथ उनकी प्रतिभा को सामने लाना था। कैम्प का संचालन दामिनी ने किया।

13 जुलाई को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजनः प्रभारी सचिव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित कुमार ने बताया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 13 जुलाई 2024 दिन शनिवार को पूर्वान्ह 10 बजे से जनपद न्यायालय के साथ-साथ सम्पूर्ण जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विशेष रूप से बैंक के लम्बित मामले प्री लिटिगेशन स्तर पर निस्तारित किये जायेगें। इसके अतिरिक्त आपराधिक शमनीय वाद, एन0आई0एक्ट की धारा 138 के वाद, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, पारिवारिक वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, राजस्व, दाखिल खारिज, वरासत, खतौनी व बेदखली, चकबन्दी, श्रम, स्टैम्प आदि अन्य मामलों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया जायेगा। उन्होने समस्त वादकारियों व अधिवक्ताओं को सूचित किया है कि वे जनपद न्यायालय, परिवार न्यायालय, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, स्थायी लोक अदालत, उपभोक्ता फोरम, कलेक्ट्रेट न्यायालयों, तहसीलों व खण्ड विकास कार्यालयों, नगर पंचायत कार्यालयों, बिजली से सम्बन्धित मामले, ई चालानी से सम्बन्धित मामले, बाट माप से सम्बन्धित मामले, खनन से सम्बन्धि तमामले व जनपद के अन्य न्यायालयों अथवा विभागों में लम्बित मामलों को सुलह समझौते से निस्तारण हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत को सन्दर्भित करायें। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मामले सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किये जायेगें। लोक अदालत मामलों के निस्तारण का सर्वोत्तम माध्यम है, जिसमें धन और समय दोनो की बचत होती है एवं इसमें न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत होती है तथा मामले त्वरित गति से निस्तारित होते है। उन्होने सभी वादकारियों व अधिवक्ताओं को सूचित किया है कि वे अपने मामलें के निस्तारण हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13 जुलाई 2024 में अपने मामलों को सन्दर्भित करायें व अपने मामले का निस्तारण करवायें तथा जिससे अधिक

प्रतापगढ़ और कौशाम्बी दोनो सीटों पर सपा ने दर्ज किया जीत

कुण्डा में राजा भइया समर्थकों का शोर, घुटने के बल आयी भाजपा

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। राजा भैया को अंतिम समय मे अपने कुनबे से बाहर रखने की कवायद भाजपा को भारी पड़ती दिखाई दे रही है। उनकी लोकसभा कौशाम्बी और उनके गृह जनपद प्रतापगढ़ की दोनो सीटों पर समाजवादी पार्टी ने भारी वोटों के अंतर से जीत दर्ज किया है। कौशाम्बी के नव निर्वाचित सांसद

कुण्डा विधायक राजा भइया।

पुष्पेंद्र सरोज देश के सबसे कम आयु के संसद सदस्य होने का तमगा भी हासिल करने जा रहे है।

लोकसभा चुनाव की मतगड़ना जैसे जैसे अपने अंत की ओर बढ़ रही थी वैसे वैसे एन डी ए और मुख्य विपक्षी दलो की स्थिति भी स्पष्ट हो रही थी। पूर्वांचल मे सबसे ज्यादा हाट सीट रही कौशाम्बी लोकसभा की सीट जहाँ बिना चुनाव लड़े राजा भैया को इस चुनाव से जोड़ दिया था। कौशाम्बी और प्रतापगढ़ की सीट पर समूचे विपक्ष और सत्ता पक्ष के लोगों की निगाह गड़ी हुयी थी। कौशाम्बी जो राजा भैया की लोकसभा सीट है और प्रतापगढ़ उनका गृह जनपद है। इन दोनो सीट पर हार जीत कहीं न कहीं अप्रत्यक्ष तौर पर राजा भैया की राजनीतिक क्षमता से जोड़ कर देखा जाता है। कौशाम्बी से सपा प्रत्याशी ने 96 हजार से अधिक मतों से लीड हासिल कर लिए है।

वहीं प्रतापगढ़ मे भी सपा प्रत्याशी 50 हजार प्लस की लीड ले चुके है। यही नही पूर्वांचल की दर्जनों सीट ऐसी है जहाँ राजा भैया की पकड़ और समर्थक दोनो मजबूत है, ऐसे मे ये कहना की राजा भैया को साथ न लेना भाजपा की बड़ी भूल साबित नही कोई अतिशियोक्ति नही होगी। ऐसे मे राजा भैया और उनकी पार्टी को धोखे मे रखना भाजपा के लिए बड़ी भूल साबित हुयी। यहाँ तक की भाजपा के जमीनी कार्यकर्ता भी अब कहने लगे है की यदि राजा भैया और भाजपा के बीच संतुलन बना होता तो पूर्वांचल मे पार्टी की ऐसी दुर्गति न हुयी होती। पूर्वांचल की दर्जनों ऐसी सीट है जहाँ पर राजा भैया और उनके समर्थको का बोलबाला है ऐसे मे ये कहना गलत नही है की पूर्वी उत्तर प्रदेश मे संतुलन साधने मे राजा भैया की उयेक्षा भारी पड़ गयी।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक शपथ ग्रहण एवं वृक्षारोपण

आरोग्य भारती द्वारा किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आरोग्य भारती प्रतापगढ़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिये हरित शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर शहीद उद्यान प्रतापगढ़ में विचार संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान धन्वंतरि एवं माँ भारती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ।

आरोग्य भारती काशी प्रांत उपाध्यक्ष डा रंगनाथ शुक्ल ने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने, उसे संरक्षित करने व पृथ्वी

वृक्षारोपण के दौरान आरोग्य भारती के पदाधिकारी।

को सदैव हरा-भरा रखने को कहा। संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डा अवनीश पाण्डेय ने किया। प्रतापगढ़ इकाई के अध्यक्ष डा सुधांशु उपाध्याय ने प्लास्टिक से पर्यावरण के संरक्षण के लिए सिक्स आर का मंत्र दिया। उन्होंने रिड्यूस, रियूज, रिसाइकल, रिकवर, रिफैब्रिकेट और रिपेयर के फार्मूले को अपनाने की अपील की। वरिष्ठ चिकित्सक डा सुरेश शर्मा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने सृष्टि के प्रत्येक वस्तु के कल्याण की बात की है। कल्याण मतलब कोई भी वस्तु प्रदूषित न होने पाए। पहले हम यज्ञ करते थे, घर-घर हवन होता था। इन सबको तिलांजलि देकर हमनें ऐसी जीवन पद्धति अपना ली जो आज हमारे लिए ही घातक हो गई। इस अवसर पर पार्क में भ्रमण करने आये बच्चों और उनके अभिभावकों को अपने जन्मदिन एवं विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण कर पेड़ पौधों की देखरेख करने के लिए जागरूक किया गया।इस अवसर सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण किया।

वृक्षों के बचाव की शपथ दिलाई गई। जिससे वृक्षों का संरक्षण किया जा सके। अमित शुक्ला ने कहा कि भारत समेत पूरी दुनिया में 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। हर साल इस दिन को एक नई थीम के साथ मनाया जाता है। भारत में इस दिन पर्यावरण से जुड़े कई जागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। अडा सिमरन उपाध्याय ने पर्यावरण के प्रभावित करने वाले विभिन्न मानव कृत्यों पर विचार रखते हुए जल, वायु, भूमि प्रदूषण से बचाव के विषय में जानकारी दी। इस आयोजन में डा पवन कुमार मिश्रा, डा पंकज मिश्रा, डा रंगनाथ शुक्ल, डा सुरेश शर्मा, डा सुधांशु उपाध्याय, डा अवनीश पंडव्य, डा ब्रह्मानंद, अमित शुक्ला, डा सिमरन उपाध्याय, राकेश शर्मा, विनोद मिश्रा, बजरंग कौशिक, सुनीता प्रजापति, शिवांश, कृष्णा, नेहा, साहिल, आस्था, आदि मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार, लाठी बरामद, तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना आसपुर देवसरा के उ0नि0 राजेश कुमार मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना आसपुर देवसरा के मु0अ0सं0 139/24 धारा 147, 148, 149, 307, 323, 504, 506, 342 भादवि में वांछित दो अभियुक्तों दूधनाथ गौतम पुत्र स्व. रामफेर व नीरज गौतम पुत्र स्व0 दूधनाथ गौतम नि0ग्राम बैजलपुर थाना आसपसुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र आसपुर देवसरा के तेलियानी नहर के पास से गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 02 अदद लाठी उनके घर के पास से बरामद किया गया।

उधर जनपद के थाना रानीगंज के उ0नि0 राजनारायण यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान मु0नं0 1415/14 अ0सं0 211/2013 धारा 11(घ) पशु क्रूरता अधिनियम थाना पट्टी से सम्बन्धित दो एनबीडब्लयू वारण्टी अभियुक्त छोट्टन कुमार उर्फ सूर्यभान पुत्र बुद्धसेन उर्फ बूद्धू नि0ग्राम बीठलपुर थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ व अजय यादव पुत्र स्व0 भुआल यादव नि0ग्राम बीठलपुर थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र के गुडिया तालाब के पास से गिरफ्तार किया गया। उधर जनपद के थाना मान्धाता के उ0नि0 मु0 तौफीक खां मय हमराह उ0नि0 यूटी अंलकार यादव द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान एसटी नं0 503/23 अ0सं0 272/2022 धारा 307, 504, 506, 34 भादवि थाना मान्धाता से सम्बान्धित एनबीडब्लयू वारण्टी अभियुक्त राहुल पटेल पुत्र अमर बहादुर पटेल नि0ग्राम टिकरी थाना मान्धाता जनपद प्रतापगढ़ को उसके गांव टिकरी के पास से गिरफ्तार किया गया।

सपा की ऐतिहासिक जीत पर राजा भैया समर्थकों ने जमकर मनाई खुशियां

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। लोक सभा चुनाव के परिणाम आते ही सपा व जनसत्तादल के समर्थकों में अपने प्रत्याशी पुष्पेद्र सरोज के बढ़त को देखते हुए मन मे खुशी छलकने लगी जैसे जैसे परिणाम में लीड बढ़ती गयी वैसे वैसे राजा भैया समर्थको मे जीत को लेकर उथल् पुथल मचने लगी सपा प्रत्याशी की बढ़ती लीड को देखकर भाजपा के समर्थको व कार्य कर्ताओ मे मायूसी दिखाई देने लगी अपने प्रत्याशी की करारी हार को देखकर अपना मुह लेकर बैठ गये इधर सपा के समर्थको ने अपनी जीत लाखो के आस पास डंके की चोट पर कहते हुए जश्न मनाना शुरु कर दिया।

लोगों का कहना था कि कौशाम्बी भाजपा प्रत्याशी का उनका अहंकार उनको ले डूबा क्षेत्र मे विकास कार्य न करना लोगो के सुख दुख मे शामिल न होना सहित अन्य खामिया हार का

एक दूसरे को बधाई देते हुए मुह मीठा कराया

कारण बना। सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज महज सबसे कम्र उम्र 25 वर्ष के सासंद बनकर लोक सभा मे पहुंचेगे रिकार्ड मतो से जीत हासिल करने वाले सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज को कौशाम्बी व कुंडा बाबागंज की जनता बहुत कुछ उम्मीद रखे हुए है अब यह तो आने वाला समय ही बताएगा बहरहाल कौशाम्बी व कुंडा बाबागंज की जनता ने अपना परिणाम दे दिया जिसे सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज को बड़ी बखूबी के साथ निभाना पड़ेगा। भाजपा की करारी हार से कौशाम्बी व प्रतापगढ़ सहित अन्य जिलों मे करारी हार ने बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि इस पर भाजपा के शीर्ष नेता ध्यान नही देंगे तो 2027 विधान सभा चुनाव जीतना टेढ़ी खीर साबित होगी।

पशु एवं पक्षियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखते हुये उनका विशेष ख्याल रखेंः एडीएम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण ने बताया है कि जिले में गर्मी बढ़ने लगी है, वर्तमान कुछ समय से जनपद का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस पार हो गया है। आने वाले सप्ताह में और अधिक गर्मी पड़ने की सम्भावना है। गर्मी में मनुष्य के साथ-साथ सभी प्राणियों को पानी की आवश्यता होती है। जब मनुष्य को प्यास लगती है तो पानी का संग्रहण कर लेता है अथवा वह कहीं से भी पानी मांगकर पी लेता है लेकिन परिंदे व पशुओं को प्रचण्ड गर्मी में यहां-वहां पानी के लिये भटकना पड़ता है। गर्मियों में कई परिंदों व पशुओं की मौत पानी की कमी के कारण हो जाती है। सभी प्रबुद्ध

पशु-पक्षियों हेतु चारे एवं पानी का आवश्यक प्रबन्ध अपने प्रयासों से करें

नागरिक जन का थोड़ा सा प्रयास घरों के आस-पास उड़ने वाले परिंदों एवं पशुओं की प्यास बुझाकर जिंदगी को बचाया जा सकता है।

उन्होंने सभी नागरिक से कहा है कि पशु एवं पक्षियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण रखते हुये उनका विशेष ख्याल रखें। पानी न मिले तो पक्षी बेहोश होकर गिर जाते है और उनकी मृत्यु होने की सम्भावना बढ़ जाती है। परिंदों व पशुओं के लिये गर्मी में पानी को अमृत के समान माना जाता है और गर्मी में बेजुवान, मूक पशु पक्षियों को प्यास में तड़पना पड़ता है, हालांकि जब वे प्यासे होते है तो घरों के सामने दरवाजे पर आकर खड़े होने पर चारा खिलाना व पानी पिलाने का प्रयास करें। इस गर्मी में पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिये लोगों को प्रयास करना चाहिये। घर के बाहर या बालकनी में छांव वाली जगह पर बर्तन में पानी भरकर रखें। पानी गर्म हो जाने पर समय-समय पर उसे बदलते रहे। कोई भी जानवर यदि खाना न खाये, सुस्त हो या उल्टी करे तो डाक्टर को दिखायें। पानी और दाना आदि रख रहे है तो नियमित तौर पर इसे बरकरार रखें। ध्यान रहे कि पानी का बर्तन जानवर या पक्षी के आकार के लिहाज से ही हो जिससे उन्हें पानी पीने में असुविधा न हो और घरों के बाहर भी पानी का बर्तन भरकर रखें, या बड़ा बर्तन अथवा कोटना में पानी भरकर रखें जिससे मवेशी व परिंदे पानी देखकर आकर्षित होते है। छत पर भी पानी की व्यवस्था करें, छायादार जगह बनाकर वहां पानी के बर्तन भर कर रखें। पक्षियों के लिये चना, चावल, ज्वार, गेहूँ आदि जो भी अनाज घर में उपलब्ध हो उसे बेजुबान, पक्षियों हेतु छतों एवं उचित स्थानों पर अवश्य रखें। पोखर, तालाब, आदि कम पानी वाले जल स्त्रोतो को गंदा न करें, इससे पशु-पक्षियों के लिये पानी की व्यवस्था हो सकती है। पानी से गर्मी में तापमान से राहत मिलती है और शरीर में पानी की कर्मी नहीं होती है। उन्होने सभी सम्मानित नागरिक जन से निवेदन किया है कि इस ग्रीष्म कालीन मौसम में पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण बनाये रखें एवं चारे व पानी हेतु आवश्यक प्रबन्ध अपने प्रयासों से सुनिश्चित करें।

प्रेमी ने प्रेमिका की चाकू से गोदकर की हत्या

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जोगापुर कॉलोनी में प्रेमी द्वारा प्रेमिका की चाकू से गोद कर निर्मम हत्या कर दी गई। बता दें कि शादीशुदा महिला का अपने पति से विवाद चल रहा था। इसी दौरान वह कुछ दिनों से मायके में रह रही थी। इसी दौरान मेरठ के एक युवक से महिला को प्यार हो गया। मेरठ निवासी युवक भी जोगापुर कालोनी में किराये पर कमरा लेकर रहता था और प्रेमिका से प्यार का इजहार करता था। सूत्रों के अनुसार शादी शुदा महिला को किसी तीसरे युवक से प्यार हुआ तो मेरठ के युवक को इसकी जानकारी हो गई, उसने दिन दहाड़े महिला आरती की हत्या कर दी। आरती के तीन साल का एक बेटा भी है। आशिकी के चक्कर में बच्चे की जिंदगी बर्बाद बर्बाद हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिये भेजा है। महिला की मौत से परिजनों में

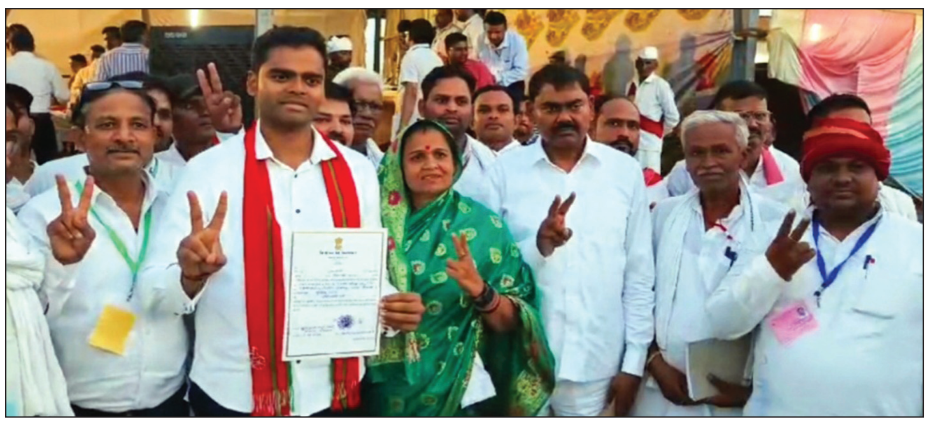

कौशाम्बी लोकसभा सीट कुछ खास...

सबसे कम उम्र के सांसद बनने का पुष्पेंद्र ने रचा इतिहास

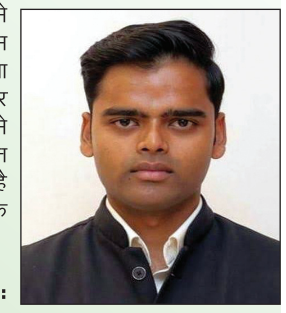

कौशांबी। लोकसभा के चुनाव में सबसे कम उम्र के सांसद बनने का इतिहास पुष्पेंद्र सरोज ने रचा है कौशांबी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर को लगभग 1 लाख 05000 मतों से पराजित कर समाजवादी गठबंधन प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने जीत दर्ज की है पुष्पेंद्र सरोज देश के सबसे कम उम्र के सांसद बताए जाते हैं।

मतदाताओं का जताया आभार :

कौशाम्बी। लोकसभा चुनाव में कौशाम्बी लोकसभा सीट पर भारी जीत दर्ज करने के बाद समाजवादी गठबंधन पार्टी के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने मतदाताओं का आभार जताया है लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद पुष्पेंद्र सरोज ने कहा कि इंडिया गठबंधन को अपार जनसमर्थन देने के लिए कौशाम्बी लोकसभा की देव तुल्य जनता को हृदय से धन्यवाद दिया है

विनोद सोनकर को हरा कर बेटे ने बाप का लिया बदला

कौशाम्बी। बीते लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी इंद्रजीत सरोज को लगभग 40 हजार मतों के अंतर से पराजित किया था इस बार भाजपा ने विनोद सोनकर को कौशांबी लोकसभा से प्रत्याशी बनाया और समाजवादी गठबंधन ने इंद्रजीत सरोज के बेटे पुष्पेंद्र सरोज को गठबंधन से बनाया प्रचार के दौरान लगातार विनोद सोनकर यह कहते सुने गए हैं कि पहले बाप को चुनाव हराया इस बार बेटे को चुनाव हटाए गे लेकिन उल्टा हो गया और पिता के चुनाव हारने का बदला बेटा ने विनोद सोनकर भाजपा प्रत्याशी को हराने के बाद ले लिया है।

दो बार भाजपा से सांसद रहे विनोद सोनकर को एक लाख से अधिक मतों से हराया

सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने 1 लाख 03 हजार 944 मतों से दर्ज की जीत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। लोकसभा सीट कौशाम्बी से समाजवादी गठबंधन पार्टी के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने 1 लाख 03 हजार 944 मतों से दो बार के भाजपा से सांसद रहे विनोद सोनकर को हरा दिया है। समाजवादी गठबंधन प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज को 5 लाख 09 हजार 787 मत मिले भाजपा के विनोद सोनकर 4 लाख 05 हजार 843 पाकर दूसरे स्थान पर रहे बसपा के शुभ नारायण को 55 हजार 858 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार रॉय ने पुष्पेंद्र सरोज को जीत का प्रमाण पत्र दिया है,इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव कौशाम्बी में समाजवादी गठबंधन के प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने दो बार से भाजपा सांसद रहे विनोद सोनकर को एक लाख से अधिक मत से पराजित करते हुए भारी बहुमत से जीत दर्ज किया है समाजवादी गठबंधन प्रत्याशी के जीत पर समर्थकों में खुशी की लहर है चारों ओर जश्न का माहौल है जगह-जगह पर समर्थकों द्वारा मिठाइयां बांटी जा रही हैं इस मौके पर कैलाश केसरवानी हरिमोहन यादव आनंद मोहन पटेल तलत अजीम आशीष मिश्रा पप्पू सहित तमाम समाजवादी और कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

82 हजार पार की खुशी में बंट गई मिठाईयां

कौशाम्बी। सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज 82359 वोटो से आगे पुष्पेंद्र सरोज को मिले 367434 वोट, बीजेपी के विनोद सोनकर को 285075 वोट मिले मतगणना में लगातार बढ़त बनाए हुए पुष्पेंद्र सरोज और उनके समर्थको ने मिठाई बांटना शुरू कर दिया है।

इंडिया गठबंधन की जीत पर बंटी मिठाई

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी पुष्पेन्द्र सरोज की जीत पर कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा बधाई दिया । मतगणना के दौरान इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी शुरूआत से ही बढ़त बनाये हुए थे जिससे समाजवादी तथा कांग्रेसी कार्यकताओं में भारी उत्साह था तथा पूरी उम्मीद थी कि पुष्पेन्द्र भारी मतों से चुनाव जीतेंगे । आशानुरूप पुष्पेन्द्र ने लगभग एक लाख 05 हजार मतों से जीत हासिल की जीत की घोषणा होते ही इंडिया गठबंधन के कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई कार्यकताओं ने प्रत्याशी को फूल मालाओं से लाद दिया इस मौके पर मुख्य रूप से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय , पूर्व

जिलाध्यक्ष तलत अजीम , उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू , राजेन्द्र त्रिपाठी , श्याममूर्ति तिवारी , कौशलेश द्विवेदी , उमेश पांडेय , अमित द्विवेदी , मो0 शफीक , सुरेंद्र पांडेय , सचिन पांडेय , मो फरमान , महेंद्र मिश्रा , शारदा मिश्रा बबलू , तथा समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव कैलाश केशरवानी हरिमोहन आनन्द मोहन पटेल, सचिन शुक्ला,सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जैसे ही एहसास हुआ हार गए सीट मायूस होकर निकल गए बाहर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना पूरी हो गई है,लोकसभा कौशाम्बी सीट से सिटिंग सांसद और भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर और प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से सिटिंग सांसद भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता चुनाव हार गए है। कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर और प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता मतगणना के दौरान प्रतापगढ़ जनपद के मतगणना स्थल पर मौजूद थे,जैसे ही एहसास हुआ कि वह दोनो अपनी अपनी सीट हार गए है,वह दोनो अपने समर्थको के साथ मायूस होकर बाहर निकल गए।

अपने पराए में अंतर नहीं समझ सके विनोद सोनकर

कौशाम्बी। लोकसभा कौशांबी की जनता ने दो बार भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर पर भरोसा जताकर इन्हें देश की सबसे बडी पंचायत में पहुंचाया जबकि पूर्व में इनका कोई राजनीतिक इतिहास नहीं था उन्हें जनता जानती नहीं थी उन्होंने पूर्व में कभी जनहित के काम नहीं किया था लेकिन फिर भी विनोद सोनकर पर लोगों ने भरोसा जताया और देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा पहुंचाया लेकिन जिस जनता ने लोकसभा पहुचाने का काम किया उस जनता को कुचलने में इन्होंने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी सांसद बनने के बाद पूरी तरह से अहंकार में डूब गए थे इनके लम्बे लम्बे वादे इनको ले डूबे है कहते है न पैर उतना पसरो जितना चादर हो पर एक बात है यह होना जरूरी था इनको इतना घमंड हो चुका था कि कोई नही है इनके टक्कर में भरे मंच से माइक लेकर कहते थे कि तीसरी बार कोई हराने वाला नहीं है जिसने विरोध किया उसको चुनाव बाद देख लेंगे संस्था की जमीनों पर कब्जा कर उसको नष्ट करने जैसे काम में इनका विशेष सहयोग रहा अब देख ले कि यह कितना काम किया और कितना नही किया अब देख ले जनता इनको कितना पसंद कर रही है हमेशा स्वार्थी लोगों से घिरे रहते हुए अपना और देश का विकास समझते रहे जिससे आम जनता नाराज हो गई और उसका नतीजा यह रहा कि तीसरी बार इनको पराजय का मुंह देखना पड़ा 10 वर्ष तक लगातार कौशांबी सांसद रहने के बाद विनोद सोनकर अपने और पराए में अंतर नहीं समझ सके।

टिकट लेने से लेकर चुनाव लड़ने तक जिन लोगों से लिया चंदा अब उनका होगा क्या!

व्यापारी और समर्थकों से कई करोड़ सहयोग के नाम पर चंदा लिए जाने की चर्चा

कौशाम्बी। लोकसभा चुनाव में टिकट लेने से लेकर के चुनाव प्रचार खर्च के नाम पर एक प्रत्याशी ने तमाम व्यापारी और सहयोगियों से चंदा के नाम पर मोटी रकम वसूली है चचाओं पर जाए तो सैकड़ो लोगों से कई करोड़ रुपए उधार की रकम ली गई है लेकिन चुनाव परिणाम आने के बाद व्यापारी और सहयोगियों में खलबली मची है सहयोग के नाम पर लाखो की रकम देने वाले लोगों की रकम अव कैसे वापस होगी इस बात को लेकर उधार के नाम पर चंदा देने वाले लोग परेशान दिखाई पड़ रहे हैं लोगों को अब अपनी रकम डूबती दिखाई पड़ रही है।

कौशांबी सीट पर कुंडा के राजा का कोई खास नहीं चला जादू

कौशाम्बी। लोकसभा क्षेत्र कौशांबी की पांच विधानसभा क्षेत्र में कुंडा के राजा का कोई खास असर नहीं दिखाई पड़ा है जनता ने भाजपा के सांसद विनोद सोनकर को नकार दिया है और युवा सांसद समाजवादी गठबंधन प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज को स्वीकार किया है समाजवादी गठबंधन प्रत्याशी को 5 लाख 09 हजार 787 मत मिले जबकि भाजपा प्रत्याशी को 4 लाख 05 हजार 843 मत मिला है जीत का अंतर 1 लाख 03 हजार 944 मत रहा निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक सिराथू विधानसभा में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को 10 24 95 भाजपा प्रत्याशी को 85745 मत मिले हैं सिराथू में जीत का अंतर 16750 रहा मंझनपुर विधानसभा में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को 12 1985 मत मिले हैं और भाजपा प्रत्याशी को 99083 मत मिले हैं जीत का अंतर 22 902 रहा चायल विधानसभा में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को 100409 मत मिले हैं और भाजपा प्रत्याशी को 92907 मत मिले है जीत का अंतर 7 502 रहा है बाबागंज विधानसभा में समाजवादी प्रत्याशी को 82 544 मत मिले हैं भाजपा प्रत्याशी को 61 852 मत मिले हैं बाबागंज में जीत का अंतर 20692 मत रहा कुंडा विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को 101742 मत मिले हैं और भाजपा प्रत्याशी को 65555 मत मिले हैं कुंडा विधानसभा में जीत का अंतर 36187 रहा।

महिला सिपाही के बिना महिला को पकड़ने गयी 112 डायल पुलिस

कौशाम्बी। महिलाओं को पकड़ने और गिरफ्तारी के मामले में शासन का स्पष्ट निर्देश है कि महिला सिपाहियों के बिना महिलाओं की गिरफ्तारी और उन्हें पकड़ कर ले जाने के मामले में पुलिस हस्तक्षेप नहीं करें लेकिन उसके बाद भी महिलाओं को थाने ले जाने के मामले में डायल 112 की पुलिस में जिस तरह से ततपरता दिखाई है सिपाहियों ने कानून की पूरी तरह से धज्जियां उड़ा कर रख दिया है ताजा मामला सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामी पुर गांव में 3 जून को देखने को मिला है जिला कचहरी में अधिवक्ता अमन कुमार शर्मा निवासी बेरूवा थाना चरवा की पत्नी अपने मायके गुलमीपुर सैनी गई हुई थी जहां अधिवक्ता की ससुराल में कुछ विवाद हुआ जिस पर डायल 112 पुलिस गुलामीपुर पहुंची और अधिवक्ता की पत्नी को गाली गलौज अभद्रता करते हुए जबरिया गाड़ी में बैठने का प्रयास किया है अधिवक्ता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि डायल 112 के दो सिपाहियों ने महिला के साथ गाली गलौज किया और गांव के संदीप अनुज की मदद से घसीट कर महिला को पुलिस की गाड़ी में बैठा लिया है जबकि उस समय पुलिस की गाड़ी में महिला सिपाही नहीं थी हालांकि ग्रामीणों के बढ़ते दबाव के बाद गाड़ी में बैठने के बाद महिला को उतार दिया गया है और महिला के पिता को पुलिस पकड़ कर के ले गई है आखिर इन पुलिस कर्मियों को महिला को पकड़ने का किसने अधिकार दिया है यह बड़ी जांच का विषय है और जांच हुई तो डायल 112 के दोनों पुलिस कर्मियों के कारनामे उजागर होंगे।

जीजा के साथ भागी बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कोखराज कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के गांव की एक बालिका 6 महीने पहले 8 जनवरी को अपने कोखराज थाना क्षेत्र के बघेला पुर गांव के रहने वाले अपने जीजा के साथ मुंबई भाग गई थी आरोप है कि बालिका के साथ मारपीट और उसे प्रताड़ित किया जाता था संदिग्ध परिस्थितियों में 3 जून को बालिका की मुंबई में मौत हो गई है बालिका के भाई ने कोखराज थाना पुलिस को तहरीर दे करके अपने जीजा और अपने विवाहित बहन उसके सास ससुर पर गंभीर आरोप लगाए हैं बालिका के भाई का कहना है कि जीजा और उसके परिवार के लोगों की प्रताड़ना से उसकी बहन की मौत हुई है।

अपनी बातों को सही साबित करने में सफल हुए भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर...

कौशांबी। भाजपा के प्रत्याशी विनोद सोनकर ने मीटिंग के दौरान कहा था की तीसरी बार 3 लाख पार और जनता ने उनकी बात को यह मान लिया था कि तीसरी बार विनोद सोनकर जीत रहे है 3 लाख पार का बयान आने के बाद राजनीतिक खिलाड़ियों ने उसी दिन यह कह दिया था कि भाजपा प्रत्याशी इस बार चुनाव हार रहे हैं उनकी जुबान में सरस्वती का वास है जबकि 3 लाख पार का बयान का मतलब उनका चुनाव हारना निश्चित था बीते चुनाव में 3 लाख से अधिक वोट पाने वाले समाजवादी पार्टी प्रत्याशी चुनाव हार गए थे इस चुनाव में तीन लाख से अधिक वोट पाकर के विनोद सोनकर ने अपनी बात को सही साबित कर दिया है

जिसने साथ बैठकर काजू खाकर पिया चाय उसने भी कर दिया गद्दारी...

कौशाम्बी भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर की हार के पीछे तमाम कारण सामने आ रहे हैं जिन पर सांसद विनोद सोनकर ने ज्यादा भरोसा किया था उन्होंने भी मौका मिलने के बाद गद्दारी करने से नहीं छोड़ा है विनोद सोनकर को जमीन दिलाने वाले एक नेता ने भी एन टाइम पर यह कहकर कि इंद्रजीत तो उनके पुराने नेता है और विनोद का साथ छोड़ दिया वही एक नेता उनका बेहद खासम खास था साया की तरह हमेशा विनोद सोनकर के आगे पीछे लगा रहता था विनोद के साथ मुख्यमंत्री से मिलने तक गया था लेकिन एन टाइम पर यह कहकर साथ छोड़ दिया कि राजा तो उनके खास है इतना ही नहीं एक ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने भी रिश्तेदार के दबाव में एन टाइम पर विनोद का साथ छोड़ दिया ऐसे तमाम चेहरे हैं जो लगातार 10 वर्षों से विनोद सोनकर से लाभ उठाते रहे उनका जगह-जगह पर उपयोग करते रहे लेकिन एन टाइम पर उन्होंने विनोद का साथ नहीं दिया जिससे भाजपा की करारी हार हो गई।

भाजपा प्रत्याशी का घमंड बना हार का कारण...

कौशाम्बी। लोकसभा क्षेत्र कौशांबी से भारतीय जनता पार्टी ने विनोद सोनकर पर तीसरी बार दाव आजमाया था लेकिन विनोद सोनकर के घमंड के चलते कार्यकर्ता से लेकर आम जनता इनसे नाराज थी अपने ही लोगों के खिलाफ बीते 10 वर्षों से विनोद सोनकर लगातार साजिश रच रहे थे उनकी साजिश का भंडाफोड़ हो गया जिस पर उनके लोगों ने ही इनका विरोध शुरू कर दिया जिसका नतीजा सामने आ गया और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी की करारी हार हुई है जनता ने दो बार विनोद सोनकर को जीत दिला कर लोकसभा भेज दिया जिससे उनका घमंड आसमान छूने लगा लेकिन घमंड तो जनता ने रावण का भी तोड़ दिया था यह तो कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर थे तीसरी बार लोकसभा चुनाव में जिस तरह से उनके बयान सामने आ रहे थे उससे उनका घमंड साफ तौर पर झलक रहा था जो जनता बर्दाश्त नहीं सकी और एन टाइम उनके खासम खास लोगों ने भी विनोद सरकार का साथ छोड़ दिया जिससे भाजपा प्रत्याशी की बुरी तरह से हार हुई है।

दुर्गा देवी स्कूल ओसा की संपत्ति श्रापित का रहा असर...

कौशाम्बी भाजपा प्रत्याशी विनोद सोनकर की हार के बाद एक बार यह फिर साबित हो गया है जिसने भी दुर्गा देवी इंटर कालेज ओसा की संपत्ति पर नियत खराब की उसकी दुर्दशा तय है सांसद रहते हुए विनोद सोनकर ने दुर्गा देवी स्कूल की संपत्ति पर कब्जा कर लिया था संपत्ति को बेच दिया है उससे धन एकत्रित कर लिया है लोगों ने विनोद सोनकर को सलाह दी थी कि दुर्गा देवी स्कूल की संपत्ति श्रापित है और यह संपत्ति पर बुरी नजर रखने वालों की बबार्दी का कारण बनेगी उसकी दुर्दशा होना तय है लेकिन विनोद सोनकर नहीं माने और स्कूल की संपत्ति को बेच लिया और उस पर कब्जा कर लिया अंततः परिणाम सबके सामने आ गया।

श्रद्धा और विश्वास के बिना नहीं मिलता कथा का पुण्य : सुधीरानंद

शिव पार्वती विवाह की कथा श्रवण कर भक्तों ने की शिव पार्वती की जय जयकार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सिराथू ब्लॉक के रामपुर धमावा स्थित अघोरीबाबा कुटी मे सोमवार 3 जून से चल रही साप्ताहिक श्रीरामकथा के आयोजन के दूसरे दिन शिव पार्वती विवाह की कथा सुनाई गई। श्रीरामकथा के प्रसंग में कथावाचक सुधीरानंद ने भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की लीला बताई जिसे सुनकर भक्तजन भाव विह्वल हो गए। कथा सुनाते हुए सुधीरानंद ने कहा कि बिना श्रद्धा और विश्वास के कथा श्रवण का पुण्य नहीं मिलता। इसलिए भगवान की कथा बड़े श्रद्धा और विश्वास से

सुननी चाहिए। इस अवसर पर अघोरीबाबा कुटी के संत त्यागी जी महाराज ने लोगों को अपने जीवन ने श्रीरामकथा से प्रेरणा लेने की शिक्षा दी। कथा सुनने के लिए आसपास के कई गांवों के सैकड़ों महिलाएं, बुजुर्ग और आमजन कथा में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी, सीताराम केसरी, भानू प्रताप सिंह, सचिन केसरवानी, जीवन सिंह, लल्लू प्रसाद जायसवाल आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

डग्गामार वाहनों के हवाले कौशांबी की यातायात व्यवस्था

कौशाम्बी। जिले की यातायात व्यवस्था डग्गामार के सहारे संचालित हो रही है यात्री मजबूरन डग्गामार वाहनों से यात्रा कर रहे हैं सरकारी बसें भी जिले में कम दिखाई पड़ती है नौसिखिया वाहन चला रहे हैं निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाई जा रही है मनमानी किराया लिया जा रहा है लेकिन कार्यवाही नहीं हो रही है गलत तरीके से सड़कों पर चलने वाले विक्रम अप्पे ऑटो वाहनों की जांच पड़ताल के लिए बनाए गए कानून नियम और सरकार द्वारा बार-बार भेजे गए आदेश के बाद भी यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हो सका है योगी सरकार के लगभग 7 वर्षों के कार्यकाल के बाद भी यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है चौपट यातायात व्यवस्था के चलते रोज दुर्घटनाएं होती हैं जांच के नाम पर केवल बाइक सवारो का शोषण किया जा रहा है सड़क पर दौड़ने वाले विक्रम ऑटो अप्पे वाहनों में चार से 6 सवारी का परमिट लेने के बाद 10 और 12 सवारी भरकर ओवरलोडिंग तरीके से पूरे दिन सड़कों पर वाहन दौड़ते हैं आधे से अधिक वाहन चालकों के पास चालक का कामर्सियल लाइसेंस नहीं है लेकिन फिर भी सड़क पर वाहन दौड़ते हैं दो तिहाई वाहनों की नंबर प्लेट और उनके वाहन एआरटीओ द्वारा बनाए गए नियमों को पूरा नहीं करते हैं लेकिन उसके बाद भी विक्रम अप्पे और ऑटो सड़क पर बेखौफ तरीके से दौड़ते हैं पूरे दिन डामर सड़क पर वाहन को खड़ा करके सवारी भरी जाती है काली सड़क वाहन स्टैंड बन गया है सड़क पर अचानक गाड़ी रोककर सवारियां उतारी जाती है लेकिन फिर भी इन वाहन चालकों पर कार्यवाही नहीं होती है आंकड़ों पर गौर करें तो जिले के विभिन्न सड़कों में 3000 से अधिक विक्रम अप्पे ऑटो सड़क पर प्रतिदिन सवारी ढोने में लगे हैं ई रिक्शा व अन्य साधन अलग से सड़क पर सवारी ढोते देखे जाते हैं मंझनपुर से भरवारी मूरतगंज महंगाव होते हुए इलाहाबाद की सड़क पर प्राइवेट बसें भी गलत तरीके से सड़कों पर दौड़ रही है शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होती योगी सरकार के निर्देश एआरटीओ पर लागू नहीं होता है बालू के ओवरलोड वाहन भी पूरे दिन सड़कों पर दौड़ रहे हैं सड़कों पर दौड़ने वाले विक्रम ऑटो अप्पे पर इस कदर से यातायात पुलिस थाना पुलिस और एआरटीओ ने मेहरबानी बनाई हुई है कि पूरे वर्ष बीत जाने के बाद कभी कभार को छोड़ दिया जाए तो अप्पे ऑटो विक्रम पर जांच की कार्यवाही नहीं होती है जांच के नाम पर केवल सरकार को गुमराह किया जा रहा है जबकि पूरे दिन चार सवारी के परमिट पर 10 सवारी भरकर के ऑटो अप्पे सड़क पर दौड़ रहे हैं विक्रम में 6 सवारी के परमिट पर 12 सवारी भरकर वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं सड़कों पर जांच के नाम पर यातायात पुलिस के जवान उप निरीक्षक होमगार्ड प्रत्येक चौराहे के प्रत्येक वाहन स्टैंड पर खड़े हैं सड़कों पर पूरे दिन यातायात के नियमों का उल्लंघन हो रहा है प्रत्येक चौराहे के प्रत्येक वाहन स्टैंड पर चार होमगार्ड और सिपाहियों की ड्यूटी वाहनों की जांच पड़ताल करने के लिए लगाई गई है लेकिन वाहन अड्डों पर लगाए गए होमगार्ड के जवान और सिपाही पूरे दिन एक साथ खड़े होकर मटरगश्ती करते देखे जाते हैं हमेशा से इन पर वसूली का आरोप लग रहा है बिक्रम अप्पे ऑटो प्राइवेट बस आदि डग्गामार वाहनों की जांच करने से इनका कोई लेना देना नहीं होता।

> चार सवारी का परमिट भरते हैं 10 सवारी देखती रहती हैं पुलिस और एआरटीओ प्रतिदिन वाहन जांच के नाम पर बाइक सवारों की पुलिस खड़ी कर देती है सामंत
>
> मंझनपुर से भरवारी मूरतगंज महंगाव होते हुए इलाहाबाद की सड़क पर प्राइवेट बसें भी गलत तरीके से सड़कों पर दौड़ रही है

संपादक की कलम से

आगे और कठिन लड़ाई है!

असमानता में बढ़ोतरी के सवाल का सीधे जवाब देने या खंडन ही करने के बजाय, मोदी की भाजपा ने इस तरह के सारे सवालों को ही संपत्ति पर हमला बना देने की कोशिश की। इसके लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना के पूरक के रूप में आर्थिक स्थिति का सर्वे कराने की जो बात कही गयी थी, उसे पूरी तरह से सिर के बल खड़ा करते हुए, आम लोगों की संपत्ति पर हमले में ही तब्दील कर दिया गया।

हैरानी की बात नहीं है कि एक्जिट पोल के बाद, शेयर बाजार ने भी नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के पक्ष में, दोनों हाथों से मतदान किया है। आखिरी चरण के मतदान की शाम ही, एक्जिट पोलों ने करीब एक राय से मोदी का पुनः राज्याभिषेक कर दिया था। और उसके तीन दिन बाद, छुट्टी के बाद शेयर बाजार एक जबर्दस्त धमाके के साथ खुला। लेकिन, एक्जिट पोलों में मोदी को लगभग चार सौ पार करा दिए जाने पर शेयर बाजार खुशी से उछल नहीं पड़ा होता, तो ही हैरानी की बात होती। आखिरकार, मोदी राज ने अपने दस साल में शेयर बाजार को खुश करने में अपनी ओर से तो कोई कसर छोड़ी नहीं है। उसने एक ओर तो शेयर बाजार के असली खिलाड़ियों यानी कारपोरेटों के हाथ मजबूत करने के लिए, नोटबंदी तथा जीएसटी के हमलों के जरिए, छोटे या अनौपचारिक क्षेत्र को कमजोर करने तथा उसकी कीमत पर औपचारिक क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है। और दूसरी ओर कॉरपोरेट करों में कमी कर के सीधे-सीधे कारपोरेटों की तिजोरियांभरने का काम किया है। और यह सब मोदी राज में दरबारी पूंजीवाद को फलने-फूलने के लिए आम तौर पर खुला तथा सुरक्षित मैदान मुहैया कराए जाने के ऊपर से है।

वास्तव में पिछले दस साल में मोदी राज और कारपोरेट पूंजी का जैसा अटूट और आक्रामक गठजोड़ देखने को मिला है, उसका और भी सघन प्रदर्शन इस बार के लोकसभा चुनाव के लंबे प्रचार अभियान के दौरान हो रहा था। यह कोई संयोग ही नहीं था कि विपक्षी गठबंधन द्वारा अपने प्रचार के दौरान, जिसमें कांग्रेस तथा कमयुनिस्ट पार्टियों समेत विपक्षी गठबंधन के चुनाव घोषणापत्र भी शामिल थे, मोदी राज में असमानता में पहले कभी के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ोतरी होने के सवाल उठाए गए थे। और विपक्ष द्वारा दस वर्षों में कारपोरेटों के 16 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के ऋण माफ किए जाने, जबकि आम किसानों के ऋण माफ करने से इंकार ही कर दिए जाने के भी सवाल उठाए गए थे, जिन सब का जवाब, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने, ध्यान बंटाने की तिकड़मों का सहारा लेते हुए भी, बड़े हमलावर अंदाज में देने की कोशिश की थी।

असमानता में बढ़ोतरी के सवाल का सीधे जवाब देने या खंडन ही करने के बजाय, मोदी की भाजपा ने इस तरह के सारे सवालों को ही संपत्ति पर हमला बना देने की कोशिश की। इसके लिए, कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना के पूरक के रूप में आर्थिक स्थिति का सर्वे कराने की जो बात कही गयी थी, उसे पूरी तरह से सिर के बल खड़ा करते हुए, आम लोगों की संपत्ति पर हमले में ही तब्दील कर दिया गया। और वैचारिक सुविधा के लिए इसे वामपंथ के साथ जोड़ते हुए, कांग्रेस के घोषणापत्र को एक ओर मुस्लिम लीग और दूसरी ओर अर्बन नक्सल के विचारों से संचालित करार दे दिया गया।

साधारण लोगों की संपत्ति पर विपक्ष के हमले का सरासर ऊटपटांग हौवा खड़ा करते हुए और इस थीम को लगातार आगे बढ़ाते हुए, खुद प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों की आर्थिक स्थिति के सर्वे को, जाहिर है कि सोची-समझी तोड़-मरोड़ में मंगलसूत्र पर हमले, घर के सोने तथा जमा-जथा की जांच व जब्ती, दो घर हों तो एक घर की और घर में चार कमरे हों तो दो कमरों की जब्ती, तक पहुंचा दिया। चुनाव प्रचार के आखिर तक आते-आते तो यह सिलसिला विपक्षी सरकार आ गयी तो पानी के नल की टोंटी ले जाएंगे, घर की चाभी छीन लेंगे, बिजली वापस कटवा देंगे, आदि तक पहुंच गयी। इस सब का मकसद, अपने कारपोरेट तथा धन्नासेठ चाहने वालों को इसकी याद दिलाना भी था कि उनकी सबसे बड़ी हितैषी, मोदी की भाजपा ही है।

लेकिन, कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा का भरोसा, सिर्फ कारपोरेटों के स्वार्थों की रक्षा करने के भरोसे से नहीं दिलाया जा सकता था। उसके लिए तो, मोदी राज जिस कारपोरेट-सांप्रदायिक गठजोड़ का प्रतिनिधित्व करता है, उसके दूसरे जोड़ीदार का भी खेल के मैदान में उतरना जरूरी था। आखिरकार, आम जनता को तो उसी के जरिए भ्रमित किया जाना था। इसलिए, एक्स रे करा के छीन लेंगे, झपट लेंगे के साथ, मुसलमानों को बांट देंगे का झूठ जोड़ दिया गया। इस तरह, इस चुनाव का मोदी की भाजपा के प्रचार का असली हथियार तैयार हो गया, जिसे कम से कम पहले चक्र के मतदान के बाद से लगाकर, आखिरी चरण तक और वास्तव में इस प्रचार अभियान के प्रधानमंत्री के पंजाब के आखिरी भाषण तक, लगातार इस्तेमाल किया जाता रहा था।

चाबहार बंदरगाह भारत, ईरान और अफगानिस्तान के लिए एक रणनीतिक जरूरत

– गिरीश लिंगन्ना

चाबहार भारत के अफगानिस्तान में अपनी उपस्थिति को फिर से स्थापित करने के बारे में भी है, ठीक उसी तरह जैसे उसने 2001 और 2021 के बीच गणतंत्र सरकार और अफगान लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाये थे। 2016 के चाबहार समझौते का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों से बचते हुए भूमि से घिरे अफगानिस्तान को समुद्र तक पहुंच देना था।

भारत आज ईरान में लंबे समय से लंबित चाबहार बंदरगाह परियोजना को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहा है। 13 मई को, इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह सौदा भारत को चाबहार बंदरगाह को विकसित करने और संचालित करने की अनुमति देता है।

आईपीजीएल लगभग 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, जिसमें अतिरिक्त 250 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण होगा, जिससे अनुबंध का कुल मूल्य 370 मिलियन डॉलर हो जायेगा।

भारत, अफगानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाला परिवहन और पारगमन मार्ग बनाने के लिए 'चाबहार समझौता' मूलरूप से मई 2016 में हुआ था। इस समझौते का उद्देश्य भारत, अफगानिस्तान और ईरान के बीच माल और यात्रियों को ले जाने के लिए बंदरगाह का उपयोग करना था। इससे अन्य देशों से माल और यात्रियों को आकर्षित करने की भी उम्मीद थी।

उस समय ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने दिसंबर 2017 में चाबहार बंदरगाह के पहले चरण का शुभारंभ किया। आईपीजीएस ने 2018 के अंत में बंदरगाह संचालन का प्रबंधन शुरू किया। तब से, इसने 90,000 टीईयू (ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) से अधिक कंटेनर ट्रैफिक और 8.4 मिलियन टन से अधिक बल्क और सामान्य कार्गो को संभाला है। 2018 में, ट्रम्प प्रशासन ने एक छूट दी, जिसने चाबहार को अमेरिकी प्रतिबंधों से बाहर रखा, जिससे बंदरगाह का उपयोग अफगान पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करने के लिए किया जा सके। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'दक्षिण एशिया रणनीति अफगानिस्तान की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए हमारे निरंतर समर्थन को उजागर करती है, साथ ही भारत के साथ हमारी मजबूत साझेदारी भी', जैसा कि द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में बताया गया है।

अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि यह अपवाद अफगानिस्तान के लिए पुनर्निर्माण सहायता और आर्थिक विकास से जुड़ा है, जो देश के विकास का समर्थन करने और मानवीय राहत प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पर्यावरण के बड़े खतरों के लिये कोशिशें भी बड़ी हो

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेजबानी करेगा, जिसका थीम होगी ह्यहमारी भूमि, हमारा भविष्यह्न यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है ह्यभूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमताह्न मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस ह्यहमारी भूमिह्न नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं।

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी।. यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है।

बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बढ़ोतरी होती रही तो महासागरों का बढ़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा। ये स्थितियां भारत में हिमालय के ग्लेशियर के पिघलने से एक बड़े संकट का कारण बन रही है। हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों में जंगलों में आग की जो घटनाएं घटीं, वे ग्लेशियरों के लिए नया खतरा हैं। वनों में आग तो पहले भी लगती रही हैं, पर ऐसी भयानक आग काफी खतरनाक है। ग्रीन हाउस गैसों के असर से पूरी दुनिया के साथ ही हिमालय भी गरम हुआ है। हाल में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि उत्तर पश्चिमी हिमलाय के औसत तापमान में पिछले दो दशक में 2.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा उसके पहले के सौ साल में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज्यादा है। भारत समेत पूरे विश्व में प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवन जीने के लिए किसी भी जीव को हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने एवं संतुलित मौसम चक्र को कायम करने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

नयी सरकार को अधिक निवेश और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना होगा

– अंजन रॉय

सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 29त्न के करीब पहुंच गया है जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। यह कई कारकों से संभव हो सका है, जिसमें राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि और वास्तव में अंतिम राजस्व संग्रह बजट अनुमानों से अधिक है। जीएसटी की आमद लगातार महीने दर महीने 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है।

सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के लिए जीडीपी के नये आंकड़े का इससे बेहतर समय और क्या हो सकता है। संसदीय मतदान के अंतिम चरण के समाप्त होने के साथ ही, 2023-24 के लिए जीडीपी के 8.2प्रतिशत के आंकड़े आये जो भारतीय अर्थव्यवस्था की भारी वृद्धि दर को दर्शाते हैं। यदि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए चुनावों में जीतती है, जो सबसे संभावित घटना है, तो वित्तीय बाजार में उछाल की भविष्यवाणी की जा सकती है। लेकिन ऐसी गुलाबी तस्वीर के पीछे क्या रहस्य है, विशेषकर तब जब बाकी दुनिया बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। चीन एक तरफ गिर रहा है और गंभीर वित्तीय संकट की संभावनाओं से घिरा हुआ है। अमेरिका निश्चित रूप से पूरी तरह स्वस्थ है और ब्याज दरों में वृद्धि के दौर के बावजूद मंदी की सभी भविष्यवाणियों को झुठला रहा है। हालांकि, अमेरिका में नीतिगत ब्याज दरें बहुत अधिक बनी हुई हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए विकास के ट्रिगर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए, समग्र निवेश में परिवर्तन की गतिशीलता, अंतिम उपभोग मांग का रुझान, निर्यात प्रदर्शन और विदेशों से धन के प्रवाह को देखना महत्वपूर्ण है। भारतीय अर्थव्यवस्था में निजी अंतिम खपत एक प्रमुख कारक है, जो सकल घरेलू उत्पाद के व्यय पक्ष का लगभग 60प्रतिशत है। यह मूल रूप से अर्थव्यवस्था की गति निर्धारित करती है। वास्तव में, कुछ साल पहले कुछ प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने बताया था कि भारत की वृद्धि निजी उपभोग के रुझानों पर बहुत अधिक निर्भर थी और यह एक अस्थिर मॉडल था, जिसे 'एकल इंजन की सवारी' के रूप में वर्णित किया गया था। अर्थव्यवस्था के निरंतर मजबूत प्रदर्शन के लिए संरचना और ट्रिगर्स में सूक्ष्म परिवर्तन हैं। ये रुझान कुछ सुखद गतिशीलता दिखाते हैं जो अर्थव्यवस्था को संभावित दलदल से बाहर निकालते हैं।

विकास की वर्तमान लहर निवेश द्वारा संचालित है, विशेष रूप से सार्वजनिक निवेश द्वारा। सार्वजनिक निवेश, जो मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे के निर्माण और सामाजिक पूंजी में सरकार के नेतृत्व में निवेश है, अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है।

सार्वजनिक निवेश सकल घरेलू उत्पाद के 29त्न के करीब पहुंच गया है जो एक स्वस्थ प्रवृत्ति है। यह कई कारकों से संभव हो सका है, जिसमें राजस्व संग्रह में मजबूत वृद्धि और वास्तव में अंतिम राजस्व संग्रह बजट अनुमानों से अधिक है। जीएसटी की आमद लगातार महीने दर महीने 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गयी है। इसने सार्वजनिक वित्त को एक आरामदायक क्षेत्र में सक्षम बनाया है। व्यय में वृद्धि के बावजूद राजकोषीय घाटा 5.6त्न पर बना रहा। सरकारी वित्त को एक सहयोगी रिजर्व बैंक द्वारा और मदद मिली है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अभूतपूर्व उच्च लाभांश हस्तांतरित किया है। केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अर्जित बड़े अधिशेष ने भी केंद्र सरकार की व्यय योजनाओं को आगे बढ़ाया हो सकता है, फिर भी विवेकपूर्णराजकोषीयघाटा मापदंडों के भीतर रह सकता है। अगले ट्रिगर की बात करें तो, नवीनतम आंकड़े संकेत देते हैं कि घरेलू खपत मजबूत बनी हुई है। कुछ उच्च आवृत्ति वाले आंकड़े ऑटो बिक्री, आवास ऋण, ईंधन खपत जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि की तीव्र गति का संकेत देते हैं। ये मुख्य रूप से शहरी क्षेत्र में हैं। ग्रामीण क्षेत्र में इस वर्ष सामान्य मानसून के पूवार्नुमान के बावजूद मांग कुछ हद तक कम बनी हुई है।

जन अभियान बने पर्यावरण संरक्षण

रमेश सर्राफ धमोरा

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के 'परि' उपसर्ग (चारों ओर) और 'आवरण' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है, जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं, और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

तीन वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

भारत का पहला पर्यावरण आंदोलन बिश्नोई आंदोलन था। अमृता देवी ने इस प्रयास का नेतृत्व किया था। जिसमें 363 लोगों ने अपने जंगलों के संरक्षण के लिए अपनी जान दे दी। पेड़ों की सुरक्षा के लिए उन्हें गले लगाने या आलिंगन देने की अवधारणा स्थापित करने वाला यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

अंततः सपा ने बांदा-चित्रकूट में फहराया परचम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले की दोनों विधानसभा सीटों में जबरदस्त ढंग से महंगाई-बेरोजगारी व मोदी की विफलता के चलते गठबंधन प्रत्याशी ने परचम लहरा दिया है। सपा की बांदा-चित्रकूट सीट पर ये तीसरी बार जीत है। एक बार श्यामाचरण गुप्ता यहां से सांसद बने थे। दूसरी बार आरके सिंह पटेल 2009 में सांसद चुने गये थे। तीसरी बार सपा ने श्रीमती कृष्णा पटेल को प्रत्याशी बनाया। उन्होंने बांदा-चित्रकूट सीट सपा मुखिया अखिलेश यादव की झोली में डाल दी। ये सीट सपा गठबंधन के खाते में जाने का श्रेय महंगाई-बेरोजगारी व किसानों के साथ मोदी सरकार के जुल्म-सितम का नतीजा है। सपा ने ये सीट जीतकर संसदीय क्षेत्र के इतिहास में रिकार्ड कायम किया है। संसदीय क्षेत्र के इतिहास में सावित्री निगम के बाद दूसरी महिला सांसद श्रीमती कृष्णा पटेल हैं।

इसी क्रम में मतगणना कार्य में लगे कर्मचारी व प्रत्याशियों के एजेंटों ने अपने कार्य को बखूबी अंजाम दिया। सभी लोगों ने जिम्मेदारी से मतगणना कार्य सम्पन्न कराने में भूमिका निभाई। लोगों को पहले से उम्मीद थी कि जीत-हार का अंतर ज्यादा मतों से नहीं होगा। उसी अनुरूप परिणाम आये।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को चार लाख 77 हजार 939 मत मिले थे। सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी श्यामाचरण गुप्ता को चार लाख 19 हजार कुछ मत मिले थे। इस बार सपा-बसपा प्रत्याशी अलग-अलग थे। कांग्रेस प्रत्याशी बालकुमार सिंह पटेल को तकरीबन 80 हजार मत मिले थे। इस बार के चुनाव में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी तथा सपा ने गठबंधन कर प्रत्याशी कृष्णा पटेल उतारा था। इससे मतों का बंटवारा हो गया। भाजपा की दस साल की सरकार की कमियों के चलते लोगों ने गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में जमकर मतदान किया। नतीजतन गठबंधन प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी से 71880 मतों से आगे चल रही हैं। बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र की मतगणना में अभी कुछ देर और लगेंगे। फिलहाल गठबंधन प्रत्याशी जीत के पायदान तक पहुंच चुकी हैं। सपा प्रत्याशी कृष्णा पटेल की जीत से सपाइयों में जश्न का माहौल है। मानिकपुर के तीस राउंड पूरे हो चुके हैं। कर्वी में 32 राउंड में 28 राउंड पूरे हो गये हैं। बांदा में चार राउंड की मतगणना शेष है। दूसरे व तीसरे स्थान पर आने वाले प्रत्याशी मतगणना स्थल से बाहर चले गये हैं। कुछ देर बाद सपा प्रत्याशी जीत का परचम लहरायेंगी।

गणना बाबत सलाह करते एजेन्ट, ईवीएम से मतों की गणना करते कर्मचारीं।

बैरियर में जांच करते पुलिस कर्मी।

मतगणन स्थल पर मुस्तैद पुलिस बाल।

हर राउंड में जीतती रही कृष्णा पटेल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सपा प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा पटेल मतगणना दौरान प्रथम चक्र से ही जीत का अन्तर मामूली मतों से बरकरार रखे रही। शुरुवात में कुछ मतों से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल उनसे आगे रहे। कुछ देर बाद वे प्रत्येक राउंड में जीतती रहीं। जिस किसी राउंड में वोट कम मिले तो अगले राउंड में उससे दोगुने वोट हासिल करती रहीं। इस तरह से उनकी जीत दर जीत के मुकाम तय होते रहे।

शाम आते-आते वोटों की गिनती में सपा प्रत्याशी 400160 मत पा चुकी थी। भाजपा प्रत्याशी को 327812 मत मिले। इस तरह से सपा प्रत्याशी 71880 मतों से आगे रहीं। बसपा प्रत्याशी को 241987 मतों से संतोष करना पडा। जल्द ही फाइनल परिणाम सामने आने की उम्मीद है। ऐसे में कृष्णा पटेल की शुरुवाती दौर से चली आ रही बढ़त अन्त तक जारी रही।

संघर्ष के बाद गठबंधन प्रत्याशी कृष्णा पटेल बनी सांसद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सपा प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा पटेल पहली बार लोकसभा का चुनाव लडी हैं। उनके पति शिवशंकर सिंह पटेल 1991 में भाजपा सरकार में राज्यमंत्री रहे हैं। श्रीमती कृष्णा पटेल जिला पंचायत बांदा की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

मंगलवार को सीतापुर स्थित रामायण मेला परिसर में मतगणना हुई। मतगणना में सपाई पूरी तरह से हर संघर्ष से निपटने को मुस्तैद थे। सपाइयों को आशंका थी कि मतगणना में प्रशासन धांधली कर सकता है। मतगणना में सपाई मतगणना कर्मियों पर कडी नजर रखे रहे। किसी भी तरह की मतगणना कर्मियों ने गडबडी नहीं की। मतगणना कार्य पूरी तरह शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

मतगणना में प्रेक्षक समेत डीएम-एसपी व अन्य अधिकारी कडी नजर रखे रहे। नतीजतन मतगणना कार्य पूरी तरह शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। सपाइयों ने मतगणना बाद जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विजयी सांसद श्रीमती कृष्णा पटेल।

महंगाई-बेरोजगारी बनी कृष्णा की जीत का कारण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। इस बार के चुनाव में मोदी लहर फुस्स नजर आई। लोकसभा चुनाव 2019 की जीत की पृष्ठभूमि में सामाजिक-आर्थिक कारण न होकर सीधे मोदी लहर थी। 2019 में चुनावी समर दौरान ये नारा भी उछला कि नरेन्द्र मोदी जरूरी है-आरके पटेल मजबूरी है। इस बार कोई लहर नहीं थी- लहर थी तो मोदी के खिलाफ थी। मोदी के चुनाव दौरान ऊल-जलूल के भाषणों का लोगों पर खासा असर दिखाई पडा। गठबंधन के महंगाई-बेरोजगारी आदि मुद्दों का भी चुनाव में असर नजर आया। लोग महंगाई-बेरोजगारी से खासे त्रस्त थे। लोगों को गठबंधन से एक उम्मीद नजर आई। लोगों ने गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में जमकर मतदान किया।

संसदीय क्षेत्र से लगातार कोई नहीं बन सका दुबारा सांसद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र ने अपने इतिहास को दोहराया है। मंगलवार को आये नतीजों ने चौकाया नहीं है, बल्कि 1952 से अब तक के इतिहास को दोहराया है। बांदा-चित्रकूट सीट से लगातार कोई दुबारा सांसद नहीं चुना गया। इसी इतिहास को इस सीट ने फिर दोहराया है।

बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र का इतिहास रहा है कि आज तक लगातार दुबारा कोई सांसद नहीं चुना गया। कर्वी के रामसजीवन तीन बार बांदा-चित्रकूट से सांसद चुने गये, लेकिन वे पहली बार 1989 में भाकपा से वह महज दो साल तक सांसद रहे। फिर 1996 में बसपा से रामसजीवन सांसद रहे, इस बार भी दो साल बाद संसद भंग हो गई। फिर 1999 में रामसजीवन सांसद चुने गये। इस तरह से वे अलग-अलग बार सांसद चुने जाते रहे। लगातार आज तक इस सीट से कोई सांसद नहीं चुना गया। इतिहास के इस रिकार्ड को आज तक कोई सांसद नहीं तोड सका। इतिहास ने अपने-आपको खुद को दोहराया है। इसमें ताज्जुब की कोई बात नहीं है। देखना है कि संसदीय क्षेत्र के दुबारा लगातार सांसद बनने के इतिहास को कौन तोडता है। फिलहाल तो ये रिकार्ड बदस्तूर 1952 से आज तक कायम है। लोगों ने भाजपा सांसद आरके सिंह पटेल से लगातार दुबारा सांसद बनने की उम्मीद लगाई थी, लेकिन उनकी खुद की कर्वी विधानसभा क्षेत्र से इस बार करारी पराजय मिली है। वे तकरीबन कर्वी विधानसभा क्षेत्र से बीस हजार ज्यादा मतों से इस लोकसभा चुनाव में पराजित हुए हैं। ऐसे में उनसे लगाई उम्मीद ने भी लोगों को करारा झटका दिया है।

इतिहास ने खुद को दोहराया

छांव में बैठकर की ड्यूटी

चित्रकूट। तेज धूप व गर्मी का असर ड्यूटी कर रहे अधिकारियों व पुलिसकर्मियों पर भी दिखा। ज्यादातर स्थान पर छांव में बैठकर ही अधिकारी व पुलिसकर्मी ड्यूटी करते नजर आए। किसी वाहन के आने पर जरूर सड़क पर आकर उन्हें रोककर लौटाते थे, फिर छांव में जाकर बैठ जाते थे।

चुनावी नतीजे जानने को लोग रहे परेशान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सत्ता के महासंग्राम के नतीजे जानने को आतुर लोगों की भीड आज सवेरा होते ही सीतापुर स्थित रामायण मेला परिसर पहुंचना चाहती थी। दूसरी ओर शान्तिपूर्ण मतगणना कराने को प्रशासन ने मतगणना स्थल को पुलिस छावनी में बदल दिया था। ऐसे में मतगणना स्थल तक पहुंचने को लोगों को एक किमी चक्कर लगाना पडा।

मंगलवार को पुलिस प्रशासन की भारी सख्ती के बावजूद सत्ता के महासंग्राम के नतीजे जानने को लोग एक किमी का चक्कर लगाकर रामायण मेला परिसर तक तो नहीं पहुंच सके। ऐसे लोग टूरिस्ट बंगले के बाहर भारी तादाद में खडे देखे गये। मतगणना स्थल में मोबाइल, कैमरा केवल पत्रकारों को मीडिया सेंटर तक ही ले जाने की छूट थी। मतगणना एजेन्टों की सघन तलाशी के बाद सुरक्षा कर्मी उन्हें अन्दर जाने देते थे। मतगणना स्थल के बाहर व अन्दर की कमान संभाले पुलिस व प्रशासन की अधिकारी व पीएसी बल समेत भारी पुलिस बल मुस्तैद नजर आया। पर्यवेक्षक के साथ डीएम अभिषेक आनन्द व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह भी मतगणना स्थल पर चैकसी बरतते देखे गये। पुलिस प्रशासन मतगणना स्थल पर होने वाली किसी भी तरह की गडबडी से निपटने को खासा चुस्त-दुरूस्त नजर आया। पूरा मतगणना स्थल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के हवाले रहा। मतगणना स्थल के अलावा आसपास के निवासी भी घरों में दुबके नजर आये। सपा प्रत्याशी श्रीमती कृष्णा पटेल के 400160 व भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के 327812 व बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी के 241987 मिलने की सूचना पर सपा समर्थकों में खुशी की लहर दौड गई। सपा प्रत्याशी 71880 मतों से भाजपा प्रत्याशी से आगे रहीं। मतगणना स्थल से भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल पहले ही निकल गये थे। सपा प्रत्याशी के जीत के अधिकृत घोषणा अभी नहीं हो सकी।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के हवाले रहा मतगणना स्थल

46 डिग्री तापमान में पैदल चलने को हुए मजबूर

चित्रकूट। मतगणना के दिन राहगीरों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। 46 डिग्री तापमान में कोई निजी वाहन से घूमकर और कोई ने पैदल ही गया। कई बार पुलिसकर्मियों से श्रद्धालुओं की नोकझोंक भी हुई। तर्क दिया कि घोषणा हुई है कि 100 मीटर ही पैदल चलना पड़ेगा, लेकिन रास्ता बेड़ी पुलिया से ही रोक दिया गया। ऐसे में श्रद्धालुओं को रामघाट तक जाने के लिए चार किमी पैदल चलना पड़ा। मंगलवार को रामायण मेला परिसर सीतापुर में मतगणना हो रही थी। इसको लेकर बेड़ी पुलिया से लेकर यूपीटी तक मार्ग को बंद कर दिया गया था। इसकेचलते भीषण गर्मी में राहगीरों व श्रद्धालुओं को परेशानी उठानी पड़ी। रामघाट निवासी संतोष गौतम, चितरागोकुलपुर निवासी कुलदीप कुमार ने बताया कि चार किमी दूर घूमकर वाहन से जाने को मजबूर हुए।

विवि कुलपति का नया खेल आया सामने

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। आदिवासी मृतक छात्र मादेश जमरे मामले में आरोपी पूर्व डीन प्रो डीपी राय को विश्वविद्यालय प्रशासन ने डीन पद से हटा दिया था। नये डीन के बतौर एसपी मिश्रा को कार्यभार सौंपा था। किंतु छात्रों को शांत करने को ये खेल खेला गया था। आज आरोपी प्रो डीपी राय पुनः कृषि संकाय के डीन की कुर्सी पर फिर कब्जा कर लिया। वर्तमान के डीन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। यहां तक कि मृतक छात्र के परिजनों को अभी तक कोई वित्तीय सहायता नहीं दी। आरोपियों को विश्वविद्यालय प्रशासन संरक्षण दे रहा है। छात्रों पर फेल करने का दबाव बनाकर ये खेल खेला जा रहा है।

डीन ने फिर किया कब्जा।

कृष्णा को छोड़ अपने ही गढ़ में हार गए राजनीतिक सूरमा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सांसद आरके सिंह पटेल को जनता की नाराजगी भारी पड़ी। विजेता सपा की कृष्ण पटेल ने अपने विधानसभा क्षेत्र बबेरू में तो सर्वाधिक वोट हासिल ही किए, आरके पटेल के क्षेत्र मानिकपुर और मयंक के क्षेत्र नरैनी में भी सेंध लगाई। यहां की जनता ने उन्हें जिताने में अहम भूमिका निभाई। भाजपा प्रत्याशी की लाज सिर्फ बांदा विधानसभा में बची। उन्हें यहां सर्वाधिक 77720 वोट मिले। लोकसभा चुनाव में इस बार बांदा-चित्रकूट के मतदाताओं ने साइकिल को खूब रफ्तार दी। सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी पूर्व मंत्री शिवशंकर पटेल की पत्नी कृष्ण पटेल ने अपने गढ़ बबेरू में जमकर वोट बटोरे। सपा विधायक विशंभर सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। उन्हें 94901 वोट मिले। भाजपा के आरके पटेल ने 60512 व बसपा के मयंक ने 40641 वोट हासिल किए।

इसी तरह बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी के क्षेत्र नरैनी विधान सभा में कृष्णा पटेल ने 85239 वोट पाए। भाजपा के आरके पटेल को 60512 व बसपा के मयंक द्विवेदी को 40641 वोट मिले। मयंक अपने ही गढ़ में बड़ी मात खा गए। बांदा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक प्रकाश द्विवेदी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। यहां कृष्णा पटेल ने 73823 मत हासिल किए, जबकि भाजपा को यहां 77720 वोट हासिल हुए।

बसपा को मतदाताओं ने यहां 28471 वोटों पर ही समेट दिया। चित्रकूट विधानसभा में भी साइकिल खूब दौड़ी और कमल मुरझाया। कृष्णा ने यहां 90712 मत हासिल किए। जबकि भाजपा को 62247 और बसपा को 64281 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी व दो बार सांसद रहे आरके पटेल को उनके ही गढ़ में जनता ने आइना दिखाया। यहां सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी कृष्ण पटेल ने 62480 वोट हासिल किए। जबकि आरके पटेल 60565 में ही सिमट गए। बसपा को यहां 56068 वोट ही मिल सके।

वाहन की टक्कर से एक की मौत, एक घायल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बहन के घर से लौट रहे बाइक सवार दोस्तों को वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको सीएचसी में भर्ती कराया।

मध्य प्रदेश के सतना जिले के बरौंधा थाना के कंदर निवासी छोटे भाई रामानंद यादव ने बताया कि बड़े भाई फूलचंद्र यादव (30) व उसका दोस्त त्रियुगीनारायण (29) के साथ बाइक से सोमवार की शाम को बघेलाबारी फतेहगंज निवासी बहन सरोज देवी के घर गए थे। रात को दोनों वापस अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही वह कोलौंहा मोड़ के पास पहुंचे तो पीछे से वाहन ने टक्कर मार दी। फूलचंद्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि त्रियुगीनारायण गंभीर रूप से घायल हो गया।

राहगीरों ने इसकी सूचना भरतकूप पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी कर इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी और घायल हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर में भर्ती कराया। बाइक चालक हेलमेट नहीं पहने था। परिजन घायल को बांदा जिला अस्पताल ले गए। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। वह दो भाईयों में बड़ा था। उसके एक पुत्र है। पत्नी राजकली देवी का रो-रोकर हाल बेहाल है।

22 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में चैकी प्रभारी गनीवा अनिल कुमर सिंह ने भगवानदीन रैदास पुत्र किशोर चनहट के कब्जे से 22 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ राजापुर थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी गनीवा अनिल कुमार सिंह व सिपाही प्रमोद कुमार शामिल रहे।

IDF का दावा, गाजा पट्टी में ले जाए गए कुछ और इजरायली बंधकों की मौत

यरूशलम : इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा गाजा पट्टी में ले जाए गए चार अन्य इजरायली बंधकों की मौत हो गई है. साथ ही दावा किया है कि गाजा पर शासन करने वाले समूह के पास अभी भी उनके शव मौजूद हैं. कऊ-ऋ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि इजरायली सेना का अनुमान है कि ये चारों कई महीने पहले खान यूनिस क्षेत्र में एक साथ मारे गए, जब इजरायली सेना वहां अभियान चला रही थी.

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि उनकी मृत्यु की पुष्टि खुफिया जानकारी पर आधारित है और स्वास्थ्य मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने इसे मंजूरी दी है. उन्होंने कहा कि कऊ-ऋ उनकी मौत की परिस्थितियों की गहन जांच के साथ सभी संभावनाओं की भी जांच कर रहा है. IDF ने चारों पीड़ितों की पहचान अमीरम कूपर, चैम पेरी, योरम मेट्जगर और नादव पॉपलवेल के रूप में की है. 80 वर्षीय कूपर पेरी और मेट्जगर ऋअ?अ र३१स्र सीमा के पास नीर ओज के निवासी थे और दिसंबर में हमास द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में उन्हें जीवित देखा गया था.

वहीं पॉपलवेल (51) नीर ओज के पास नीरिम गांव के निवासी थे. उन्हें आखिरी बार मई की शुरूआत में हमास द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में जीवित देखा गया था. इससे पहले सोमवार को कऊ-ऋ ने घोषणा की थी कि उसने 36 वर्षीय चिकित्सक डोलेव येहुद का शव उसके गांव नीर ओज में पाया और उसकी पहचान की है. सेना के अनुसार येहुद को सोमवार तक बंधक माना जा रहा था, लेकिन 7 अक्टूबर को ही हमास ने उसे मार दिया था.

GAZA Strip में वर्तमान में 124 इजरायली बंधक हैं, जिनमें से 43 को इजरायल ने मृत घोषित कर दिया है. बता दें कि इस युद्ध में मरने वाले कुल फिलिस्तीनियों की संख्या 36,000 के पार हो गई है. पिछले साल अक्टूबर से ही इजरायल और हमास के बीच गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है.

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के गाजा में युद्ध विराम के प्रस्ताव का इजरायल में बंधकों के परिवारों ने समर्थन किया है. मगर इजरायली सरकार ने इस प्रस्ताव पर कहा है कि वह स्थिति को देखकर निर्णय ले पाएगी. अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव में इजरायली बंधकों की रिहाई के बदले स्थायी युद्ध विराम की बात कही गई है.

पाकिस्तानी सेना में अल्पसंख्यक समुदाय की पहली महिला वन-स्टार जनरल

रावलपिंडी। पाकिस्तानी सेना में एक ईसाई महिला अधिकारी को ब्रिगेडियर के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह अल्पसंख्यक समुदाय से वन-स्टार जनरल रैंक तक पहुंचने वाली पहली महिला बन गई हैं। रविवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

द न्यूज ने बताया, सेना चिकित्सा कोर में सेवारत हेलेन मैरी रॉबर्ट्स उन अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें चयन बोर्ड ने ब्रिगेडियर और पूर्ण कर्नल के रूप में पदोन्नत किया।

उन्होंने 26 वर्षों तक आर्मी मेडिकल कोर में पैथोलॉजिस्ट के रूप में काम किया है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने उन्हें पाकिस्तानी सेना में "योग्यता और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व का एक और जीवंत उदाहरण" करार दिया।

ब्रिगेडियर रॉबर्ट्स से पहले, मेजर जनरल निगार जौहर ने जून 2020 में लैंगिक बाधाओं को तोड़ते हुए लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर पदोन्नत होने वाली देश की पहली महिला अधिकारी बनकर पाकिस्तान सेना की पहली महिला सर्जन जनरल बनीं थीं।

पिछले साल रावलपिंडी के क्राइस्ट चर्च में क्रिसमस समारोह के दौरान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पाकिस्तान के विकास में ईसाई समुदाय की भूमिका की सराहना की थी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और परोपकार के साथ-साथ राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ावा देने में इनके योगदान का हवाला दिया था।

प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ ने रॉबर्ट्स को उनकी पदोन्नति पर बधाई दी।

मध्य गाजा पर इजराइली हमले में 11 लोगों की मौत

यरुशलम। मध्य गाजा पर रविवार-सोमवार की रात इजराइल के हमले में तीन बच्चों और एक महिला सहित कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार देर रात बुरीज शरणार्थी शिविर में एक घर पर हुए हमले में तीन बच्चों सहित चार लोग मारे गए। सोमवार तड़के दूसरे हमले में नुसरीरात शरणार्थी शिविर में एक महिला सहित सात लोगों की मौत हो गई। इससे पहले सोमवार को इजराइली सेना ने बताया था कि गाजा सीमा के निकट एक कस्बे में एक व्यक्ति का शव मिला है। सेना के मुताबिक, आशंका है कि इस व्यक्ति को सात अक्टूबर को हमास ने अपने हमले के दौरान बंधक बना लिया होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल ने हमास को तीन चरणीय युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते की पेशकश की है तथा घोषणा की है कि गाजा में लड़ाई समाप्त करने का समय आ गया है, क्योंकि हमास अब इजराइल पर और बड़े पैमाने पर हमला करने में ह्यसक्षम नहीं हैह्न। वहीं, इजराइली मीडिया ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह हमास को नष्ट करने के अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे हैं और उन्होंने सत्ता में अपने सहयोगियों से कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा प्रस्तुत युद्धविराम प्रस्ताव से यह लक्ष्य पूरा हो जाएगा, अन्यथा इजराइल युद्ध में वापस लौट जाएगा।

बगदाद में दो अमेरिकी रेस्त्रां पर हमला, सुरक्षाबलों ने चलाई गोलियां

बगदाद : इराक की राजधानी बगदाद में सोमवार शाम प्रदर्शनकारियों ने दो अमेरिकी रेस्त्रां पर हमला कर दिया. सुरक्षाबलों ने बताया कि हमलों में दोनों रेस्त्रां को नुकसान पहुंचा है. इराकी गृह मंत्रालय के सूत्रों ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि पूर्वी बगदाद में पैलेस्टाइन स्ट्रीट पर गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने केएफसी रेस्टोरेंट पर हमला किया. उन्हें तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों को हवा में गोलियां चलानी पड़ीं. हालांकि अभी तक हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है.

सूत्रों ने बताया कि जदरिया के इलाके में चिलि हाउस और ली'ज रेस्टोरेंट पर भी हमला हुआ. प्रदर्शनकारियों ने टेबलों और कुर्सियों को तोड़-फोड़ दिया. इराकी सुरक्षाबलों ने दोनों इलाकों में तैनाती बढ़ा दी है और फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है. इससे कुछ दिन पहले भी अमेरिकी तथा ब्रितानी कंपनियों पर बगदाद में हमले हुए थे. अब तक किसी ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है. हालांकि स्थानीय लोग इन हमलों को गाजा में इजरायली आक्रमण से जोड़कर देख रहे हैं. उनका अनुमान है कि लक्षित कंपनियों को ऐसे देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जा सकता है जो इजरायल का समर्थन करते हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मिड डे मार्केट : मतगणना के रुझानों से ध्वस्त हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली। दोपहर 12 बजे तक हुई मतगणना के रुझानों के मुताबिक केंद्र में भाजपा को अपने दम पर स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है। इस वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज दोपहर 12 बजे तक के कारोबार में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि जैसे जैसे मतगणना के रुझान आते गए, वैसे-वैसे शेयर बाजार की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। दिन के पहले सत्र के कारोबार की समाप्ति के बाद दोपहर 12 बजे सेंसेक्स और निफ्टी 5.72 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

ब्रिटेन में बॉलीवुड गायक सोनू निगम मानद फेलोशिप से सम्मानित

लंदन। ब्रिटेन में बॉलीवुड गायक सोनू निगम को संगीत के क्षेत्र में उनके विश्वव्यापी प्रभाव और योगदान के लिए प्रमुख भारतीय प्रवासी छात्र संगठन ने मानद फेलोशिप से सम्मानित किया है। सोनू निगम इस समय एक संगीत कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ब्रिटेन में मौजूद हैं।

ब्रिटेन के नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन (एनआईएसएयू) ने पिछले सप्ताहांत लंदन के वेम्बली एरिना में निगम की प्रस्तुति के दौरान उन्हें फेलोशिप से सम्मानित किया। लेबर पार्टी के वरिष्ठ ब्रिटिश भारतीय सांसद वीरेंद्र शर्मा और स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में भारतीय संस्कृति के एमेरिट्स प्रोफेसर रेचल ड्वायर ने मंच पर निगम को सम्मानित किया।

इससे पहले अभिनेत्री शबाना आजमी, लेखक जावेद अख्तर और अध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर समेत कई अन्य हस्तियों को यह मानद फेलोशिप प्रदान की जा चुकी है। यह फेलोशिप उन व्यक्तियों को दी जाती है जो वैश्विक मंच पर भारतीय सांस्कृतिक, शिक्षा और समाज सुधार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। सोनू निगम ने सम्मान प्राप्त करने के बाद कहा, ह्यह्यआपके प्रेम और इस सम्मान के लिए एनआईएसएयू का धन्यवाद। मैं इसे ईश्वर की ओर से एक और अनमोल उपहार मानता हूं।

जर्मनी में नहीं थम रहे नेताओं पर हमले, अब सांसद बने निशाना

जर्मनी। जर्मनी में मौजूदा सांसद और क्रिश्चियन डेमोक्रैटिक यूनियन पार्टी के नेता रोडेरिष कीजेवेटर पर हमला हुआ है. हमले के वक्त वह यूरोपीय संघ के चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे.

जर्मन संसद के निचले सदल बुंडेस्टाग में सांसद और क्रिश्चियन डेमोक्रैटिक पार्टी (सीडीयू) के नेता रोडेरिष कीजेवेटर पर 1 जून को हमला हुआ. 9 जून को यूरोपीय संघ (ईयू) चुनाव के लिए जर्मनी में मतदान होना है.

जर्मन सेना में रह चुके कीजेवेटर पर दक्षिण-पश्चिमी राज्य बाडेन-बुर्टेमबेर्ग के आलेन क्षेत्र में प्रचार के दौरान हमला हुआ. स्थानीय पुलिस ने हमलावर की पहचान कर ली है और बताया है कि कीजेवेटर को निशाना बनाने वाला 55 साल का एक पुरुष है. बीते दिनों जर्मनी में और भी नेताओं पर हमले हुए हैं.

कैसे हुआ हमला ?

जानकारी के मुताबिक, हमलावर सीडीयू के चुनावी अभियान में स्टैंड के पास आया और कीजेवेटर के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने लगा. कीजेवेटर ने उसे ऐसा ना करने को कहा, तो हमलावर ने कैंपेन स्टैंड को तोड़ना शुरू किया. जब कीजेवेटर ने उसकी तस्वीर खींचने की कोशिश की, तो हमलावर ने उन्हें घूंसा मारा और जमीन पर गिराकर भाग गया. हमले में सांसद कीजेवेटर को मामूली चोटें आई हैं.

उन्होंने कहा है कि अगर हमलावर माफी मांग ले, तो वह कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगे. स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हमलावर आलेन सिटी काउंसिल के चुनाव में प्रत्याशी है और एक धुर-दक्षिणपंथी पार्टी का सदस्य है. खबरों के मुताबिक, इस पार्टी का वैक्सीन विरोधी मुहिम "क्वेयरडेंकर" से भी संबंध हैं.

सीडीयू पार्टी के अलावा अन्य दलों- सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी (एसपीडी), ग्रीन्स पार्टी और फ्री डेमोक्रैटिक पार्टी (एफडीपी) ने कीजेवेटर के समर्थन में बयान जारी किए हैं. इन सभी पार्टियों ने मिलकर राजनीतिक हमलों के खिलाफ 2 जून को एक जुलूस भी निकाला.

जर्मनी की आंतरिक मामलों की मंत्री नैंसी फेजर ने भी कीजेवेटर पर हुए हमले की निंदा की. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में फेजर ने लिखा कि हिंसा की "हमारे लोकतंत्र में कभी स्वीकार्यता नहीं है" और इस मामले में "जल्द और सख्त सजा" दी जानी चाहिए.

लगातार जारी हैं हमले

हालिया सालों में जर्मनी के भीतर चुनावों के दौरान हिंसक घटनाएं बढ़ी हैं. सेंटर-लेफ्ट एसपीडी के नेता और ईयू चुनाव के प्रत्याशी माथियास एके पर 5 अप्रैल को हमला हुआ था. उन्हें इतना ज्यादा पीटा गया था कि इमरजेंसी में दाखिल करवाना पड़ा और उनकी सर्जरी भी हुई. एसपीडी की ही एक अन्य नेता और बर्लिन की मेयर रहीं फ्रांसिस्का गिफाय पर भी बीते मई महीने में हमला हुआ था.

इसके अलावा ग्रीन पार्टी भी निशाने पर रही है. ग्रीन पार्टी की नेता इवोने मोसलर पर भी हमला हुआ था, जब वह पार्टी के एक अन्य प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रही थीं. जर्मनी के पूर्वी राज्य थुरिंजिया में एक साल तक ग्रीन पार्टी के नेता रहे मैक्स रेश्के इस खतरे से भली-भांति वाकिफ हैं. उन्होंने डीडब्ल्यू को बताया, "हमने अपने पार्टी दफ्तर के दरवाजों के सामने गोबर का ढेर रखा देखा है. कई बार खिड़कियों पर अंडे रखे मिले, खिड़कियां टूटी मिलीं और मेलबॉक्स भी खुले मिले. मुझे और मेरे साथियों को शारीरिक हमले की धमकी भी दी गई है. हाल के वर्षों में हमारे खिलाफ हिंसक भाषा का इस्तेमाल भी बढ़ा है."

जर्मनी में नेताओं की सुरक्षा

जर्मनी के चुनिंदा शीर्ष नेताओं को छोड़ दें, तो ज्यादातर नेता आम लोगों की तरह बिना किसी सुरक्षा घेरे के रहते हैं. हालांकि राजनीतिक कार्यक्रमों, रैलियों, विरोध-प्रदर्शनों समेत बड़े आयोजनों में सुरक्षा का कुछ इंतजाम होता है. जर्मनी में किसी नेता के लिए हथियारबंद सुरक्षा बलों का जत्था या गाड़ियों का बड़ा काफिला निकलना आम नहीं है. यहां सड़कों पर सायरन बजाती गाड़ियां सिर्फ पुलिस, एंबुलेंस या फिर दमकल विभाग की होती हैं.

पाकिस्तान में ईसाई बुजुर्ग की पिटाई से मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईशनिंदा के आरोप में पिछले सप्ताह हिंसक भीड़ द्वारा गंभीर रूप से घायल किए एक बुजुर्ग ईसाई व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कट्टरपंथी इस्लामवादी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कार्यकताओं के नेतृत्व में एक उग्र भीड़ ने 25 मई को लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर पंजाब के सरगोधा जिले के मुजाहिद कॉलोनी में ईसाई समुदाय के सदस्यों पर हमला किया, जिसमें दो ईसाई और 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने ईसाइयों के घरों और संपत्तियों को जला दिया और लूटपाट की। पुलिस के अनुसार, भीड़ ने नजीर मसीह उर्फ लजार मसीह नामक बुजुर्ग ईसाई के घर और जूता फैक्ट्री को घेर लिया और उन पर कुरान के अपमान का आरोप लगाया। उग्र भीड़ ने जूता फैक्ट्री, कुछ दुकानों और कुछ घरों में आग लगा दी। एफआईआर में कहा गया है, "उन्होंने मसीह को भी बेरहमी से जला दिया, लेकिन समय पर भारी पुलिस बल के पहुंचने से मसीह और ईसाई समुदाय के 10 अन्य सदस्यों को बचा लिया गया।" एफआईआर में कहा गया है कि जूता फैक्ट्री के बाहर कथित तौर पर पवित्र कुरान के कुछ पन्ने पाए गए, जिससे स्थानीय लोग भड़क गए। पुलिस ने बताया कि सरगोधा स्थित संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) में इलाज करा रहे मसीह की रविवार को मौत हो गई।

ब्रिटेन के लिए जासूसी कर रहे दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

बीजिंग। चीन ने अपने दो नागरिकों को ब्रिटेन के लिए जासूसी करने पर गिरफ्तार कर लिया है। यह खुलासा चीनी खुफिया एजेंसी ने करते हुए गताया कि दोनों नागरिक ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-6 के लिए काम कर रहे थे। गिरफ्तार होने वाले एक दंपति को पकड़ा है। चीन की खुफिया एजेंसी और राज्य सुरक्षा मंत्रालय (एमएसएस) ने कहा है कि उन्होंने एमआई-6 से जुड़े एक महत्वपूर्ण जासूसी मामले का खुलासा किया है।

सरकार के महत्वपूर्ण विभाग में कार्य करने वाले दोनों नागरिकों से ब्रिटेन की ओर से जासूसी कराया जा रहा था। यह आरोप ब्रिटिश पुलिस के उस दावे के कुछ हफ्ते बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने तीन लोगों को हांगकांग की खुफिया एजेंसी के लिए कार्य करने में हिरासत में लिया था। पकड़े गए दंपति का सिर्फ सरनेम जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि वांग और जोउ को एमआई-6 की ओर से भर्ती किया गया था।

वांग 2015 में ब्रिटेन पढ़ने के लिए गया था। वहां अपनी पत्नी से मिला। वहां वांग को होटल रूम और देशभर में घूमने की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। साथ ही पैसे भी दिए गए थे। दंपति ने चीनी सरकार के लिए केंद्रीय राज्य एजेंसी में काम किया और सरकार की खुफिया जानकारी एमआई-6 को दी। चीनी दावों के बारे में पूछे जाने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा कि हमारी खुफिया एजेंसियों के काम या सुरक्षा मामलों पर टिप्पणी न करने की सरकार की दीर्घकालिक नीति रही है।

राफा से 10 लाख लोग भागने को हुए मजबूर : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

गाजा। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने सोमवार को कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर राफा में इजराइली अभियानों के कारण 10 लाख से ज्यादा लोग भागने को मजबूर हुए हैं।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने एक्स पर एक बयान में कहा कि हजारों परिवार अब खान यूनिस में क्षतिग्रस्त और नष्ट हो चुकी यूएन एजेंसी के केंद्रों में शरण ले रहे हैं।

बयान में कहा गया कि बढ़ती चुनौतियों के बावजूद एजेंसी के कर्मचारी बुनियादी सेवाएं प्रदान करते रहे। यूएन ने तत्काल युद्धविराम की आवश्यकता पर बल दिया है।

इसमें कहा गया कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से यूएनआरडब्ल्यूए के 179 केंद्र प्रभावित हुए हैं। अब गाजा में कोई सुरक्षित जगह नहीं है।

इस बीच, गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इजराइली सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान 40 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 150 अन्य को घायल कर दिया।

पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक 36,479 लोगों की मौत हो गई है और 82,777 लोग घायल हुए हैं।